श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस-नई दिल्ली (स्थापित सन् 1906)
का साप्ताहिक मुखपत्र

जैन प्रकाश

सन् 1913 से निरंतर प्रकाशित होने वाला स्थानकवासी जैन परंपरा का प्राचीनतम् गौरवशाली समाचार पत्र

जैन प्रकाश सम्पादकीय कार्यालय
जैन भवन, 12, शहीद भगत सिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली-01
Tel.: 011-23363729, 23365420 Mob.: 9019731906
E-mail : aissjc1906@gmail.com
Website : https://jainconference.org
सम्पादक : डॉ. अमित जैन, बड़ौत
Mob. 9837394448, 9997889995
E-mail : amitraijain78@gmail.com


श्रमण संघीय प्रथम पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट् पूज्य श्री आत्माराम जी म.


श्रमण संघीय द्वितीय पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट् पूज्य श्री आनन्दऋषि जी म.


श्रमण संघीय तृतीय पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट् पूज्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म.


श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट् पूज्य डॉ. श्री शिवमुनि जी म.

अक्टूबर - प्रथम, अंक - 29 विक्रम संवत् - 2083 वीर संवत् - 2552 ईस्वी सन् - 2026

Address
Here

शिव संदेश

जीव का लक्ष्य सिद्धालय

- युग प्रधान आचार्य सम्राट् पूज्य डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा.



जीव अनादि काल से यात्रा कर रहा है उसने अपने प्रत्येक जीवन में अनेकानेक लक्ष्य बनाये, किन्तु अधिकांश उसके लक्ष्य उसी जीवन से जुड़े शरीर, मन व उससे जुड़े संसार के लिए ही थे। हर भव में उन्हें पूरा करने में ही अपनी ऊर्जा व समय लगाया और हर भव में जीव कार्मण काया को भारी करता गया। ऐसे एक भव नहीं अनंतानंत भवों में जीव ने अपना समय लगाया, उसका मूल कारण था अज्ञान।

अज्ञान किसका? - उसे अपने स्वरूप का ज्ञान नहीं। स्वरूप बोध न होने से उसने मिथ्यात्ववश देह व जीव को एक मानता रहा और 24 घंटे कर्म बन्ध चलता गया और कार्मण शरीर भारी करता गया। शुभ कर्मों के उदय से उसे देव, गुरु, धर्म की शरण भी मिली, किन्तु उसने धर्म को एक सीमा में बांध दिया व धर्म की क्रिया को ही धर्म मानकर, धर्म की क्रियाओं से सन्तुष्ट रहा। इसी में अनेकानेक भव बीत गए।

पंचम आरे में धर्म - वर्तमान में पंचम आरे में भी अनेकानेक जीव धर्म की क्रिया करके संतुष्ट है, किन्तु उन्हें शुद्ध धर्म का बोध ही नहीं मिला और इस भव में भी अधिकांश अपनी कार्मण काया को शुभ कर्म से या अशुभ कर्म से भारी कर रहे हैं।

त्रिकाल सत्य - अरिहंत परमात्मा सीमन्धर स्वामी फरमाते हैं कि तीन काल में बन्ध का कारण एक है व क्षय का कारण एक है।

जब-जब जीव पुद्गल को अपना मानेगा उसका चिन्तन, मनन करेगा तो बन्ध होगा। जब-जब जीव पुद्गलातीत होकर आत्मा का ध्यान करेगा तो वहां कर्म क्षय होंगे।

स्वरूप बोध - अरिहंत परमात्मा फरमाते हैं कि अनंत पुण्य की कतारें लगती है तो जीव को स्वरूप बोध होता है। स्वरूप बोध होने पर जीव जड़ व जीव का भेद करके भेदविज्ञान की समझ पाता है और वह भेद की जगह भेद व अभेद की दृष्टि प्राप्त करता है।

लक्ष्य - तत्पश्चात् जीव अपने जीवन का लक्ष्य तय करता है। संसार के पुद्गल के व्यक्तित्व के लक्ष्य छोड़कर वह अस्तित्व की और सन्मुख होता है जिसे हम सम्यक्त्व कहते हैं सम्यक्त्व मोक्ष महल की नींव है जब जीव अपना लक्ष्य सिद्धशिला तय करता है।

पुरुषार्थ - वह सम्यक्त्व को क्षायिक सम्यक्त्व बनाने का पुरुषार्थ करता है। क्षायिक सम्यक्त्व के लिए आत्मार्थी साधक को अपने स्वभाव में, स्वरूप में 24 मिनट तक अखण्ड स्थिर (शेष पृष्ठ 3 में)



अध्यक्षीय

श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष एवं युवाचार्य पूज्य
श्री महेन्द्रऋषि जी महाराज के 60वें जन्मोत्सव के मंगल प्रसंग पर...

अहिंसा का अमृत संदेश : महावीर दर्शन से विश्वशांति की ओर

- अतुल जैन - राष्ट्रीय अध्यक्ष E-mail : ajvk1973@gmail.com

विश्व अहिंसा दिवस पर समस्त देशवासियों, जैन समाज के श्रद्धालु भाई-बहनों तथा 'जैन प्रकाश' के सुधी पाठकों को सादर जय जिनेन्द्र एवं हार्दिक मंगलकामनाएँ।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें भगवान महावीर स्वामी का अहिंसा-दर्शन केवल जैन समाज की धार्मिक विरासत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व का मार्ग प्रस्तुत करता है। भगवान महावीर ने अहिंसा को केवल किसी जीव की हत्या न करने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, वचन और काया से किसी भी प्राणी को पीड़ा न पहुँचाने की व्यापक जीवन-दृष्टि प्रदान की। उनके द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के सिद्धांत शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व एवं विश्व-बंधुत्व की राह दिखाते हैं।

भगवान महावीर की अहिंसा, आज के विश्व की आवश्यकता : भगवान महावीर का संदेश था कि प्रत्येक जीव का अस्तित्व मूल्यवान है। उनकी अहिंसा हमें केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा नहीं देती, बल्कि हमारे विचारों और वाणी को भी करुणा से परिपूर्ण करने का आह्वान करती है। जैन दर्शन की यही सूक्ष्म अहिंसा प्रत्येक जीव के अस्तित्व के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती है।

आज जब विश्व के अनेक हिस्सों में संघर्ष, तनाव, वैमनस्य, हिंसा और असहिष्णुता दिखाई देती है, तब भगवान महावीर की वाणी हमें पुनः स्मरण कराती है कि स्थायी शांति का मार्ग प्रतिशोध से नहीं, करुणा से निकलता है। संघर्ष का समाधान संघर्ष बढ़ाना नहीं, बल्कि संवाद और अनेकांत की भावना विकसित करना है।

अहिंसा की शुरुआत विश्व से नहीं, स्वयं से होती है। यदि हमारे विचारों में द्वेष है, वाणी में कटुता है और व्यवहार में अहंकार है तो केवल अहिंसा की चर्चा करने से समाज अहिंसक नहीं बन सकता। हमें अहिंसा को अपने परिवार, व्यापार, सामाजिक व्यवहार और दैनिक जीवन में उतारना होगा। 'मन में मैत्री, वाणी में मधुरता, व्यवहार में करुणा और जीवन में संयम, यही भगवान महावीर की अहिंसा को सच्चे रूप में अपनाना है।'

श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष-75 वर्षों की साधना और संगठन का गौरव : विश्व अहिंसा दिवस का यह अवसर हमारे लिए इसलिए भी विशेष है कि हम 'श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष' की गौरवपूर्ण यात्रा के साक्षी बन रहे हैं। श्रमण संघ की स्थापना के 75 वर्ष केवल समय की गणना नहीं हैं, बल्कि त्याग, तपस्या, साधना, संघीय एकता और धर्म प्रभावना की एक विराट यात्रा हैं। (शेष पृष्ठ 3 में)



सम्पादकीय

जिस दिन करोड़ों का मालिक भिखारी बना!
श्री नम्रमुनि की सीख, पराग शाह का प्रयोग और धन के अहंकार पर एक करारा प्रहार!

- डॉ. अमितराय जैन - राष्ट्रीय महामंत्री

मुंबई के घाटकोपर पूर्व के विधायक श्री पराग शाह जैन इन दिनों इसलिए चर्चा में नहीं हैं कि वे महाराष्ट्र के सबसे धनी विधायकों में हैं, वे इसलिए चर्चा में हैं कि उन्होंने एक दिन के लिए अपनी सारी पहचान उतार दी।

जैन धर्म के अनुयायी और जैन संतों के प्रति पारंपरिक एवं पारिवारिक श्रद्धा रखने वाले श्री पराग शाह ने चातुर्मास के दौरान राष्ट्रसंत श्री नम्रमुनि महाराज की एक सीख को केवल सुना नहीं, उसे अपने जीवन में उतारकर देखा। संदेश सीधा था, जिस धन, पद, प्रतिष्ठा और वैभव के कारण लोग आपको पहचानते और सम्मान देते हैं, उसका वास्तविक अनुभव करना है तो एक दिन सब छोड़कर भिखारी बनकर सड़क पर निकलो।

श्री शाह ने ऐसा ही किया। सुरक्षा, वाहन, वैभव और अपनी सामाजिक पहचान पीछे छोड़कर वे घाटकोपर की सड़कों और गलियों में भिखारी के वेश में निकले। 14 सितंबर 2026 को The Indian Express, The Federal, The Statesman और अन्य मीडिया संस्थानों ने इस घटना की रिपोर्ट प्रकाशित की। 15 सितंबर को Hindustan Times, Navbharat Times, Free Press Journal और अन्य माध्यमों ने भी इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया।

आंकड़ा अपने आप में चौंकाने वाला है। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में दाखिल उनके हलफनामे में ₹3,383 करोड़ से अधिक की संपत्ति घोषित की गई थी और वे उस समय राज्य के सबसे धनी उम्मीदवार बताए गए थे। NDTV ने 14 सितंबर 2026 की अपनी रिपोर्ट में उनकी नेटवर्थ लगभग ₹5,000 करोड़ बताई। लेकिन इस पूरी घटना की सबसे बड़ी बात सड़क पर भीख मांगना नहीं थी। सबसे बड़ी बात थी, अपनी पहचान का खो जाना।

जिस व्यक्ति के लिए सामान्यतः दरवाजे सम्मान से खुलते हैं, बदले हुए रूप में वही व्यक्ति जब अपने ही परिसर में पहुंचा तो सुरक्षा-कर्मी उसे पहचान नहीं सका। कुछ लोगों ने उसे सामान्य भिखारी समझकर सहायता की। किसी ने ₹20 दिए, तो सड़क किनारे एक समोसे वाले ने बिना पैसे लिए भोजन दे दिया। बाद में श्री शाह ने अपना मेकअप हटाकर उन्हीं स्थानों पर जाकर इस अनुभव को फिर देखा। Hindustan Times, Jansatta और NDTV ने इस प्रसंग को प्रमुखता से रिपोर्ट किया। (शेष पृष्ठ 5 में)

ALDACO
AIM HIGH

Sudarshan Jain
Sadasya Viswast Mandal
National Chairman - Jan Kalyan Yojana
Jain Conference, New Delhi



DEALS IN NON LEATHER FOOTWEAR
ALDACO FOOTWEAR
9310899901 | Aldacofootwear@gmail.com



श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के पदाधिकारी साधु-साध्वीवृंद

युगप्रधान, ध्यानयोगी, आचार्य सम्राट् परम पूज्य श्री शिवमुनिजी म.सा.
आगमज्ञाता प्रज्ञामहर्षि युवाचार्य परम पूज्य श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा.

उपाध्याय मण्डल

परम श्रद्धेय डॉ. श्री विशालमुनिजी म.सा. 'वाचनाचार्य'
परम श्रद्धेय श्री रमेशमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री जितेन्द्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री प्रवीणऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री गौतममुनिजी म.सा. 'प्रथम'

प्रवर्तक मण्डल

परम श्रद्धेय श्री कुन्दनऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. 'निर्भय'
परम श्रद्धेय डॉ. श्री राजेन्द्रमुनिजी म.सा
परम श्रद्धेय श्री सुकनमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री विजयमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री सुभद्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री आशीषमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री कोमलमुनि जी म.सा.

मंत्री मण्डल

परम श्रद्धेय श्री शिरीषमुनिजी म.सा. (प्रमुख मंत्री)
परम श्रद्धेय श्री कमलमुनिजी म.सा. 'कमलेश' (संघ-नीति एवं जनसम्पर्क)

सलाहकार मण्डल

परम श्रद्धेय श्री सुरेशमुनिजी म.सा. 'शास्त्री'
परम श्रद्धेय श्री तारकऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री रमणीकमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री दिनेशमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री रामुनिजी म.सा. 'निर्भय'

प्रवर्तिनी मण्डल

परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री चंदनाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती श्री सरिताजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री सुप्रभाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती श्री सुधाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री प्रतिभाकंवरजी म.सा.

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ की मातृसंस्था
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली
सम्माननीय पदाधिकारीगण-कार्यकाल वर्ष : 2025-27

राष्ट्रीय अध्यक्ष :	श्री अतुल जैन, दिल्ली	98110 75336
राष्ट्रीय महामंत्री :	प्रो. डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत	98373 94448
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष :	श्री विनयकुमार जैन, पानीपत	83968 00000
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष :	श्री जसवंत जैन, दिल्ली	98104 35108
राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष :	श्री रजनीश जैन 'राज', दिल्ली	98116 14567

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस-विश्वस्त मण्डल

चेयरमैन : श्री विजय जैन - पानीपत
वाईस चेयरमैन : श्री नरेश बोहरा जैन - मुंबई
समन्वयक : श्री जसवंत जैन - दिल्ली

सदस्यगण : डॉ. अमित राय जैन - बड़ौत, डॉ. अनामिका तलेसरा जैन - सूरत, श्री आनंदमल छल्लानी जैन - चेन्नई, श्री अंकुर जैन - दिल्ली, श्री अशोक रांका जैन - बेंगलुरु, श्री अतुल जैन - दिल्ली, श्री अविनाश चोरड़िया जैन - नई दिल्ली, श्री जे. डी. जैन - गाजियाबाद, श्री जयंती कुकड़ा जैन - सूरत, श्री कांति कुमार लोढ़ा जैन - औरंगाबाद, श्री कंवरलाल सूर्या जैन - भीलवाड़ा, श्री महावीर रांका जैन - चेन्नई, श्री नरेश आनंद प्रकाश जैन - दिल्ली, श्री नेमीचन्द चोपड़ा जैन - पाली, श्री पारस मोदी जैन - मुंबई, श्री प्रशांत जैन - दिल्ली, श्री रमेश भंडारी जैन - इंदौर, श्री रविन्द्रनाथ जैन - दिल्ली, श्री संजीव हीरालाल जैन - लुधियाना, श्रीमती संतोष जैन - दिल्ली, श्री शशिकांत पिंटू कर्नावट जैन - मालेगांव, श्री सुदर्शन जैन - दिल्ली, श्री विलास राठौर जैन - पुणे, श्री विनय जैन - पानीपत, श्री विनोद कीमती - हैदराबाद, श्री विपुल जैन - दिल्ली

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री आनंदमल छल्लाणी जैन, चेन्नई 98410 30035

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री जे. डी. जैन, गाज़ियाबाद 98100 06462
श्री नेमीचन्द चोपड़ा जैन, पाली 98290 25729
श्री अविनाश चोरड़िया जैन, नई दिल्ली 93138 13899
श्री पारस मोदी जैन, मुंबई 98200 60530

राष्ट्रीय पर्यवेक्षण समिति

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सुभाष ओसवाल जैन, दिल्ली 98100 45440
राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली 98111 97000

राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक

श्री महावीर रांका जैन, पोलूर 94442 04046
श्री विमलप्रकाश जैन, जालंधर सिटी 98151 84811
श्री संजय जैन, दिल्ली 98111 67770
श्री दिपिन नेमनाथ जैन, इन्दौर 78699 99222
श्री विजयकांत कोठारी जैन, पुणे 98230 82152

राष्ट्रीय समन्वय समिति

श्री प्रशांत जैन, 'गांधरा' दिल्ली (मुख्य समन्वयक) 98101 21450
श्री सुरेशकुमार लुणावत जैन, चेन्नई (ज़ोन - 1) 98842 21003
श्री राकेश जैन 'लक्की', लुधियाना (ज़ोन - 2) 98150 20661
श्री कंवरलाल सूरिया जैन, भीलवाड़ा (ज़ोन - 3) 94141 13056
श्री ईश्वर बापूसेठ बोरा जैन, अहिल्यानगर (ज़ोन - 4) 98237 99998
श्री जयंतिलाल कूकड़ा जैन, सूरत (ज़ोन - 5) 98251 35744

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री महेन्द्र बोकरिया जैन, दिल्ली 98681 25710

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री सुरेशचंद छल्लाणी जैन, बैंगलोर 93412 32573
श्री पुखराज मेहता जैन, बैंगलोर 98446 77725
श्री एम. गौतमचंद मुगलिया जैन, हैदराबाद 92463 61008
श्री दिनेश कुमार भलगट जैन, चेन्नई 98402 64888
श्री राजन जैन, लुधियाना 98140 77445
श्री विमलचंद जैन, अम्बाला 94667 01008
श्री पुष्कर जैन, मेरठ 94122 06374
श्री महावीर प्रसाद जैन, दिल्ली 98113 58110
श्री विपिन आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली 99113 00888
श्री जयकुमार जैन, दिल्ली 98106 72111
श्री रामनिवास जैन, दिल्ली 98112 95715
श्री रमेश जैन 'शामड़ी', दिल्ली 93509 16150
श्री नेमीचंद धाकड़ जैन, उदयपुर 95117 05291
श्री महेश डाकोलिया जैन, इन्दौर 77738 66000
श्री ललित मोदी जैन, नाशिक 94222 46500
श्री सतीश बाबूसेठ लोढ़ा जैन, अहिल्यानगर 94222 22138
श्री सुनील मोहनलाल चोपड़ा जैन, नाशिक 94239 63100
श्री जीवनराज पुनमिया जैन, इचलकरंजी 94205 85878
श्री कीर्ति दुग्गड़ जैन, पुणे 98220 34344
श्री शंभुलाल ललवानी जैन, अहमदाबाद 99783 47800

राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार मंत्री

श्री एस. के. जैन 'सी.ए.', दिल्ली 98102 78217

जीवन प्रकाश योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री बाबूलाल रांका जैन, बैंगलोर 93434 83838
राष्ट्रीय मंत्री : श्री अशोककुमार धोका जैन, बैंगलोर 98440 58123

मानव सेवा योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री प्रकाश भटेवरा जैन, इन्दौर 98270 31032
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मनीष वाफना जैन, सूरत 93749 86671
राष्ट्रीय मंत्री : श्री जितेन्द्र चोपड़ा जैन, इन्दौर 93021 27805

जीव दया योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री मनोहरलाल लोढ़ा जैन, मावली सिंधु 94224 59362
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोशनलाल बड़ाला जैन 'सी.ए.', नवी मुंबई 98200 72121

ज्ञान प्रकाश योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री नरेश आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली 95400 02778
चेयरमैन : श्री सुरेश जैन, दिल्ली 98112 39872
वाईस चेयरमैन : श्री पदमचंद कांकरिया जैन, चेन्नई 98841 67400
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री सुरेशचंद जैन, दिल्ली 98117 48722
राष्ट्रीय मंत्री : श्री नरेन्द्र जैन, दिल्ली 98101 63165

वैय्यावच्च योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक रांका जैन, बैंगलोर 99455 41200
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रतनचंद सिंघवी जैन, बैंगलोर 93425 97955

अल्पसंख्यक योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिकुमार लोढ़ा जैन, छत्रपति संभाजीनगर 82862 00000
राष्ट्रीय मंत्री : श्री शैलेष शोभाचंद संचेती जैन, बेजापुर 94214 18121

जैन कॉन्फ्रेंस आत्म-ध्यान योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शशिकांत 'पिन्टू' कर्नावट जैन, मालेगांव 98239 55515
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोहित छाजेड़ जैन, छत्रपति संभाजीनगर 94207 64456

हर प्रांत जैन भवन योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक कुमार एन. पगारिया जैन, पुणे 94220 36831
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री विनय कुमार नाहटा जैन, दिल्ली 98110 12512
राष्ट्रीय मंत्री : श्री प्रफुल्ल कोठारी जैन, पुणे 90110 17777

राष्ट्रीय जन कल्याण योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : सतिन्दर बीर जैन 98110 70722
राष्ट्रीय चेयरमैन : सुदर्शन जैन 93108 99904
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : संजय जैन 98187 25000
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : नंदीवर्धन जैन 98110 39625
राष्ट्रीय मंत्री : कनिका संदीप जैन 96549 73690

विहारधाम योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिलाल चोपड़ा जैन, नाशिक 94229 44800
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री तनसुख झामड़ जैन, छत्रपति संभाजीनगर 98226 59910
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मुकेश जैन 'सांड़', मोहाली 93185 93599

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय डिजिटाईजेशन योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री सुभाष जैन 'लिली', गिरड़वाहा 98146 99393
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री राजीव सुनील सांखला जैन, बैंगलोर 98445 46014
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : श्री संजय जैन 'चिली', दिल्ली 93501 32274
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री राकेश जैन, दिल्ली 98101 93101
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मनधीर जैन, लुधियाना 98141 05020

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय मीडिया संचार योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री संजय जैन, दिल्ली 93191 87434
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री अजय जैन ' प्रथम', दिल्ली 97117 74004
राष्ट्रीय मंत्री : लक्ष्मीलाल बीरवाल जैन 94604 45060

राष्ट्रीय युवा शाखा

अध्यक्ष : श्री विपुल जैन, दिल्ली 87662 14456
चेयरमैन : श्री अंकुर जैन, दिल्ली 98711 98111
कार्याध्यक्ष : श्री कमलेश नाहर जैन, अहमदाबाद 93767 37111
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मंजीत शांतिलाल कोठारी जैन, सूरत 93745 44138
महामंत्री : श्री अमित कांतिकुमार लोढ़ा जैन, छत्रपति संभाजीनगर 91522 11555
कोषाध्यक्ष : श्री मुनीष पकंज जैन, दिल्ली 99998 38345

राष्ट्रीय महिला शाखा

अध्यक्षा : श्रीमती संतोष सुरेश जैन, दिल्ली 98687 04326
चेयरमैन : श्रीमती अनामिका कुलदीप तलेसरा, सूरत 94278 08401
वाईस चेयरमैन : श्रीमती मीनाक्षी विनय जैन, दिल्ली 98187 44166
वरिष्ठ उपाध्यक्षा : श्रीमती कुसुम महावीरप्रसाद जैन, सोनीपत 92515 74016
महामंत्री : श्रीमती रीचा संदीप जैन, लुधियाना 79737 96548
कोषाध्यक्षा : श्रीमती उर्मिल नरेश जैन, दिल्ली 92504 18306

प्रांतीय अध्यक्ष

श्री प्रकाश वुरड़ जैन (कर्नाटक - ज़ोन 1) 98456 71449
श्री विनोद कुमार कीमती जैन (तेलंगाना - ज़ोन 1) 98490 11350
श्री वी. धर्मीचन्द जैन (तमिलनाडु - ज़ोन 1) 94444 31536
श्री अनिल जैन (पंजाब - ज़ोन 2) 98141 40491
डॉ. श्री रामनिवास जैन (हरियाणा - ज़ोन 2) 92541 19621
श्री कीमतीलाल जैन (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड - ज़ोन 2) 97203 57112
श्री जितेन्द्र जैन (दिल्ली - ज़ोन 2) 98100 62967
श्री आनंद चपलोत जैन (राजस्थान - ज़ोन 3) 94609 66507
श्री हुलास बेतावा जैन (मध्य प्रदेश - ज़ोन 3) 96696 97797
डॉ. आनंद मेहता जैन (पश्चिम बंगाल - ज़ोन 3) 98302 49151
श्री मोहनलाल लोढ़ा जैन (महाराष्ट्र-ज़ोन 4) 94222 50478
श्री नितिन बेदमुथा जैन (मुंबई-पुणे - ज़ोन 5) 93710 75787
श्री सम्पत खाविया जैन (गुजरात - ज़ोन 5) 98250 47321

राष्ट्रीय मंत्री

श्री कन्हैयालाल सुराणा जैन, बैंगलोर 93412 21774
श्री सम्पतराज कोठारी जैन, सिकन्दराबाद 92461 58452
श्री सुरेश गादिया जैन, चेन्नई 98402 00916
श्री राजेन्द्र बोहरा जैन, चेन्नई 98406 00003
श्री अरूण कुमार जैन, लुधियाना 98155 66885
श्री रवीन्द्र जैन, पानीपत 98960 92861
श्री नितिन जैन, बड़ौत 99993 99382
श्री दिलीप रूणवाल जैन, दिल्ली 98112 05545
श्री दिनेश एम. सुराणा जैन, दिल्ली 93100 54428
श्री नरेश लोढ़ा जैन, उदयपुर 93222 56788
डॉ. सुधीर जैन, कोटा 94141 79700
श्री दिनेश चोरड़िया जैन, उदयपुर 94141 66639
श्री जिनेश्वर जैन, इन्दौर 99818 50900
श्री राजेन्द्र लोढ़ा जैन, इन्दौर 94250 62147
श्री मीठालाल कांकरिया जैन, छत्रपति संभाजीनगर 98226 71574
श्री वसंत लोढ़ा जैन, अहिल्यानगर 94212 05000
श्री पारस दुग्गड़ जैन, पुलिया 94231 93447
श्री कैलाश प्रकाश वाफना जैन, छत्रपति संभाजीनगर 93726 66999
श्री सुरेश सिंघवी जैन, मुंबई 98212 87789
श्री विलास राठौड़ जैन, पुणे 98901 74007
श्री आकाश मादरेचा जैन, सूरत 94287 45537

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री

श्री दीपक जैन, दिल्ली 93508 70065
श्री संजय जैन 'निशा', लुधियाना 94172 53101
श्री नेमीचंद सोलंकी जैन, पुणे 93710 89896
श्री संदीप जैन 'सन्नी', जम्मू 94191 90527
श्री महेन्द्र जैन, सवाई माधोपुर 94626 72015

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

श्री जयप्रकाश ललवानी जैन, चेन्नई 99412 45660
श्री संजीव जैन 'आनंदम्', दिल्ली 93122 40901
श्री नितिन चोपड़ा जैन, पुणे 98200 83919
श्री प्रकाश कोठारी जैन, खार, मुंबई 98200 83919
श्री विलोक जैन, दिल्ली 98681 06607

प्रांतीय महामंत्री

श्री नेमीचंद दलाल जैन (कर्नाटक) 99649 72251
श्री किशोर कुमार मुथा जैन (तेलंगाना) 92473 99003
श्री एम. राजेशकुमार रांका जैन (तमिलनाडु) 99949 16455
श्री पंकज जैन (पंजाब) 98150 00791
श्री संजय जैन (हरियाणा) 98130 50937
श्री अनुराग जैन (उत्तर प्रदेश) 98371 09567
श्री ललित ओसवाल जैन (दिल्ली) 98111 38968
श्री लोकेश धाकड़ जैन (राजस्थान) 98280 50143
श्री पीयूष जैन (मध्य प्रदेश) 94254 00121
श्री राजेश कुमार भुरट जैन (पश्चिम बंगाल) 93310 09391
श्री शांतिलाल इंदरचंद दुग्गड़ जैन (महाराष्ट्र) 98220 79225
श्री गणेश ओसवाल जैन (मुंबई-पुणे) 99218 79613
श्री विनोद कुमार धोका जैन (गुजरात) 94279 30764

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार समिति

एडवोकेट श्री नरेश कुमार जैन, रानियां 90504 00009
एडवोकेट श्री सुनील जैन, चण्डीगढ़ 98141 90422
एडवोकेट श्री नवीन जैन, पानीपत 90347 19097

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार समिति

सदस्य : श्री संजय तारांचद कोटेचा जैन, जलगांव 99237 11711
सदस्य : श्री संजय बोहरा जैन, मुंबई 98339 57170
सदस्य : श्री अतुल चोरड़िया जैन, वाघोली, पुणे 80876 35657
सदस्य : श्री रवि जैन, दिल्ली 99996 10010
सदस्य : श्री रमेश कुमार जैन, 'शास्त्री' जीन्द 92554 30824

वरिष्ठ मार्गदर्शक

श्री प्रेमचंद जैन, गुरुग्राम (हरियाणा) 92113 08367
श्री जसवंत दलाल जैन, बैंगलोर (कर्नाटक) 98863 88021
श्री शांतिलाल पोखरणा, बैंगलोर (कर्नाटक) 98451 55799
श्री महावीरचंद भण्डारी जैन, चेन्नई (तमिलनाडु) 98401 96758
श्री विमल धारीवाल जैन, चेन्नई (तमिलनाडु) 94433 32330
श्री पदमचंद बागमार जैन, चेन्नई (तमिलनाडु) 94440 77990
श्री अरिदमन जैन, लुधियाना (पंजाब) 95012 33866
श्री जतिन्द्र जैन, लुधियाना (पंजाब) 98559 39174
श्री विश्वा जैन, लुधियाना (पंजाब) 98140 88391
श्री राजेश जैन, लुधियाना (पंजाब) 98761 71831
श्री अजय जैन, पानीपत (हरियाणा) 94161 22219
श्री जगदीशचन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा) 98962 00081
श्री जगदीश जैन, रोहतक (हरियाणा) 93556 71998
श्री राजिन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा) 99963 33388
श्री राजीव जैन, पानीपत (हरियाणा) 98122 00002
श्री राहुल जैन, करनाल (हरियाणा) 99927 33822
श्री संदीप जैन, सिरसा (हरियाणा) 92157 37705
श्री मनमोहन जैन, मुज़फ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) 98370 67082
श्री सुशील जैन, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) 98100 78214
श्री पारस जैन, मेरठ (उत्तर प्रदेश) 99270 62009
श्री जयप्रकाश जैन, बड़ौत (उत्तर प्रदेश) 99974 55741
श्री अनिल जैन 'बखेता', रोहिणी, दिल्ली 93124 33320
श्री राजकुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली 98112 52316
श्री विजय जैन, रोहिणी, दिल्ली 99994 73873
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली 98371 74345
श्री देवेन्द्र जैन, पीतमपुरा, दिल्ली 99716 65599
श्री सत्यनारायण जैन, पीतमपुरा, दिल्ली 92158 99904
श्री प्रदीप जैन, पीतमपुरा, दिल्ली 99999 97513
श्री रोशनलाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली 98100 50467
श्री सतपाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली 98102 64999
श्री अशोक जैन 'जयचंदा' ऋषभ विहार, दिल्ली 93109 89999
श्री भूपेन्द्र जैन, अशोक विहार, दिल्ली 98110 16545
श्री लवकुमार जैन, वीरनगर, दिल्ली 88266 72626
श्री नरेश जैन, पंजाबी बाग, दिल्ली 98111 30285
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, शक्तिनगर, दिल्ली 98100 21710
श्री राजकुमार जैन, शास्त्रीनगर, दिल्ली 98114 04140
श्री मदनलाल जैन 'शामडी', प्रशांत विहार, दिल्ली 98737 76896
श्री पंकज जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली 88600 98595
श्री संजय जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली 98187 25000
श्री चक्रेश जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली 98112 33462
श्री बजरंगलाल जैन, दिल्ली 93122 62192
श्री अशोक पालरेचा जैन, ब्यावर (राजस्थान) 94601 71190
श्री ज्ञानचंद विनायकिया जैन, ब्यावर (राजस्थान) 98140 10385
श्री महावीर कुमार वाफना जैन, ब्यावर (राजस्थान) 94147 38976
श्री गौतम संचेती जैन, ब्यावर (राजस्थान) 94142 58370
श्री मांगीलाल लोढ़ा जैन, उदयपुर (राजस्थान) 88753 26779
श्री शंकरलाल डांगी जैन, उदयपुर (राजस्थान) 94628 83336
श्री दिनेशचन्द्र चोरड़िया जैन, उदयपुर (राजस्थान) 94141 66639
श्री सिद्धराज सिंघवी जैन, निम्बाहेड़ा (राजस्थान) 98298 86701
श्री भूपेन्द्र सिंह पगारिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान) 94146 17494
श्री पकंज कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान) 94141 11902
श्री मीठालाल सिंघवी जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान) 94141 12134
श्री दीपक कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान) 98293 47007
श्री राजेन्द्र गोखरू जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान) 94141 84005
श्री मनमोहन गांधी जैन, पाली (राजस्थान) 94143 26293
श्री अभ्यालाल लोढ़ा जैन, राजसमन्द (राजस्थान) 98290 40800
श्री अभय पोखरणा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 98930 33345
श्री अचल चौधरी जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 98260 20161
श्री अनिल बरड़िया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 93021 22995
श्री हेमंत बोहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 94074 13922
श्री राजकुमार जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 94253 19691
श्री सुरेश देशलहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 98270 31960
श्री सुभाष विनायकिया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश) 96302 55540
श्री चन्द्रप्रकाश चोरड़िया जैन, उज्जैन (मध्य प्रदेश) 73662 31275
श्री इन्द्रमल पटवा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश) 98272 28737
श्री महेन्द्र बोथरा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश) 98270 06500
श्री सुजानमल कोटेचा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश) 98272 08682
श्री रवि सुराणा जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश) 94251 01014
श्री यशवंत सिंह वाफना जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश) 94254 87623
श्री शांतिलाल चोरड़िया जैन, नाशिक (महाराष्ट्र) 98909 52621
श्री संतोष मंडलेचा जैन, नाशिक (महाराष्ट्र) 99234 78889
श्री शोभाचंद संचेती जैन, छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र) 94051 07851
श्री हसमुख बंवकी जैन, रत्नागिरी (महाराष्ट्र) 94224 29611
श्री जीवनराज पुनमिलया जैन, इचलकरंजी (महाराष्ट्र) 92258 31765
श्री हीरालाल पगारिया जैन, अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)
श्री चतरलाल लोढ़ा जैन, मुंबई (महाराष्ट्र) 98201 11839
श्री महावीरचंद तातेड़, मुंबई (महाराष्ट्र) 98699 09374
श्री पन्नालाल कोठारी जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)
श्री पारस छाजेड़ जैन, मुंबई (महाराष्ट्र) 98212 20220
श्री कांतिलाल बोथरा जैन, पुणे (महाराष्ट्र) 87882 35525
श्री पोपटलाल ओस्तवाल जैन, पुणे (महाराष्ट्र) 98230 81825
श्री सुभाष सुराणा जैन, पुणे (महाराष्ट्र) 97662 90002
श्री ओमप्रकाश मांडोत जैन, अंकलेशवर (गुजरात) 99250 20407
श्री प्यारचंद कोठारी जैन, सूरत (गुजरात) 93745 35686
श्री विनोद कुमार सूर्या जैन, खेड़ब्रह्मा (गुजरात) 93277 57610
श्री हीरालाल खाविया जैन, अहमदाबाद (गुजरात) 94270 31776
श्री चांदमल छाजेड़ जैन, मेहसाना (गुजरात) 98241 62334
श्री जयंतिलाल कोठारी जैन, अहमदाबाद (गुजरात)



देश में विराजित पूज्य संत-साध्वीजी म. के पावन चरणों में
कोटि-कोटि वंदन एवं श्रद्धापूर्ण नमन

NAMO eWaste
Namo e waste Management Ltd.
E waste & lithium in battery recycling
EPR facility
8130393628 admin@namoewaste.com

समाजरत्न दानवीर भामाशाह
लाला आनन्द प्रकाश जी जैन
महिलारत्न
स्व. श्रीमती कमलेश आनन्द प्रकाश जी जैन

Vardhman Recycling LLP
Old vehicles recycling with certificate of disposal
Plastic recycling EPR facility
8130393611 vardhmanautorecycling@gmail.com



नरेश आनंदप्रकाश जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष - ज्ञान प्रकाश योजना
सदस्य - विश्वस्त मंडल
जैन कॉन्फ्रेंस



रचना नरेश जैन
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक
जैन कॉन्फ्रेंस, राष्ट्रीय महिला शाखा



जैसा संग वैसा रंग

मनुष्य संवेदनशील प्राणी है। वह अपने आस-पास के वातावरण और आस-पास के लोगों से सामान्यतः प्रभावित होता है। इसलिए आपको इस बात के प्रति सदा सावधान रहना चाहिए कि आप बुरे लोगों की संगति से दूर रहें। अच्छे लोगों की संगति अवश्य करनी चाहिए। इसमें संदेह नहीं है कि अच्छे लोगों की संगति से आप अच्छे बनेंगे और बुरे लोगों की संगति आपके जीवन में बुराइयाँ भर देगी।

स्वाति नक्षत्र की बूँद सर्प के मुँह में गिरती है तो वह विष बन जाती है। वही बूँद यदि सीप के मुख में गिरती है तो मोती बन जाती है। यह संगति का ही तो परिणाम है।

हकीम लुकमान बहुत विद्वान और अनुभवी व्यक्ति था। मरते समय उसने अपने बेटे को पास बुलाया और वे सब बातें समझा दीं, जो ऐसे समय प्रायः समझाई जाती हैं। बेटा सब कुछ पूरे ध्यान से सुनता और समझता रहा। हकीम अपनी बात पूरी करने पर खामोश हो गया। कुछ क्षणों बाद बेटे ने पूछा, ''पिता जी! और भी कहो?''

''हाँ बेटे! बस, एक बात और.....'' अपनी अन्तिम साँसों के बीच लुकमान ने कहा - ''तुम एक हाथ में चंदन का चूरा उठाकर लाओ। वह सामने ही धूपदान में रक्खा है, दूसरे हाथ में चूल्हे से कोयला निकाल कर लाओ।'' बेटा एक हाथ में चंदन का चूरा ले आया और दूसरे में कोयला।

''अब दोनों को गिरा दो।'' पिता का आदेश पाकर बेटे ने दोनों को गिरा दिया। लुकमान ने कहा- ''अब अपनी दोनों हथेलियाँ देखो! चन्दन गिर जाने पर भी तुम्हारी हथेली में सुगन्ध छोड़ गया है और कोयले के गिर जाने पर भी वह हथेली काली है। बस आखिरी बात यही कहना चाहता था।''

''मैं समझा नहीं।'' बेटे ने सिर हिलाया। ''अच्छे लोगों की संगत चंदन जैसी है और दुर्जनों की कोयले जैसी।'' लुकमान ने अपनी बात का मर्म समझाया और आँखें मूँद लीं।

मनुष्य का विवेक उसका मनुष्यत्व है। तुलसी दास ने कहा - ''बिनु सत्संग विवेक न होई।'' मनुष्यत्व की जन्मभूमि है - सत्संग। वह छूट भी जाएगा तो उसकी सुगन्ध जीवन को महकाती रहेगी। कुसंग के छींटों से भी मनुष्यत्व की चादर को बचाकर रखना है। सत्संग और कुसंग का भेद पल-भर के लिए भी न भूलना। अन्यथा जीवन की चादर मैली हो जाएगी।

शून्य में ठहरने से मिथ्यात्व को क्षय किया जा सकता है



- प्रमुख मंत्री श्री शिरीष मुनि जी म.सा.

वर्तमान में पंचम आरा है, जिसमें 21 हजार वर्ष तक तीर्थ प्रवर्तमान रहेगा, समय-समय पर महापुरुष अवतरित होंगे, वे स्व-पर कल्याण के निमित्त बनेंगे। आर्य सुधर्मा स्वामी के पाट पर अनेकानेक भवी जीव विराजे, जो तीर्थ के विकास यात्रा में निमित्त बने हैं व बनते रहेंगे।

वर्तमान काल में जहां पुनः चारों ओर मिथ्यात्व व मोह का पोषण हो रहा है। जहाँ धर्म को क्रिया काण्डों में बांध दिया है व पुद्गलों से सुखाभास व साता पाने के लिए पुण्य उपार्जन करने के लिए अनेकानेक धर्म के नाम पर अनुष्ठान चल रहे हैं। सामान्य जनता भ्रमित होकर, उसे ही धर्म मानकर तृप्त हो रही है। 18 हजार से अधिक जैन साधु देश में विचरण कर रहे हैं फिर भी जैन समाज दिग्भ्रमित क्यों हो रहा है। वर्तमान में चिन्तन की आवश्यकता है।

1. सामान्य जैन का आहार विकृत होता जा रहा है।
2. परिवार टूटते जा रहे हैं, तलाक के प्रतिशत बढ़ते जा रहे हैं।
3. परिवार में पति-पत्नी आपस में तालमेल नहीं बैठ रहा है।
4. संयुक्त परिवार की प्रथा लुप्त होती जा रही है।
5. सुविधावादी, भौतिकवादी युग में टेंशन डिप्रेशन के केस बढ़ते जा रहे हैं।

ऐसी अनेकानेक समस्याएं समाज में उत्पन्न होती जा रही है। वहीं साधु समाज में सुख, सुविधा का मार्ग चयन कर रहे हैं। त्याग, वैराग्य, वीतरागता का लक्ष्य गौण होता जा रहा है। व्यक्तित्व मुख्य हो रहा है। अस्तित्व गौण हो रहा है। समाज में धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चार पुरुषार्थ में अर्थ व काम मुख्य हो गये हैं। धर्म व मोक्ष गौण होते जा रहे हैं।

ऐसे समय में श्रमण संघ के चतुर्थ पट्टधर परम पूज्य शिवाचार्यश्री जी ने समय की नजाकत को जानकर इस भरत क्षेत्र के जीवों के लिए शुद्ध वीतराग धर्म को महाविदेह क्षेत्र से प्रत्यक्ष ज्ञान व ध्यान पाकर, प्रत्येक तीर्थवासी को मुक्ति की सर्वोच्च विधि प्रदान करने के लिए निमित्त बन रहे हैं। वह साधना है भेद विज्ञान, कर्म सिद्धान्त, आत्म ध्यान, अनेकान्तवाद, शुक्ल ध्यान से क्षायिक सम्यक्त्व व जीव केवल ज्ञान की ओर बढ़ सकता है।

दैनिक व्यवहारिक जीवन की समस्त समस्याओं का एक मात्र समाधान - (1) भेद विज्ञान से आत्म ध्यान। (2) आत्म-ध्यान से शुक्ल ध्यान। (3) शुक्ल ध्यान में 1 घड़ी शून्य में ठहरकर अनादि के मिथ्यात्व को क्षय कर सकते हो व शेष जीवन में मोह कर्म को क्षय करते हुए निकट भवी एकाभवतारी बन निर्वाण को प्राप्त कर सकते हैं।

आचार्य भगवन के 85वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में आत्म ध्यान ध्यान धर्म यज्ञ का आयोजन रविवार, 20 सितम्बर को अवध संगरीला, बलेश्वर सूरत से ऑनलाईन किया गया। यह शिविर आचार्य भगवन के प्रकाशोत्सव पर श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस आत्म-ध्यान राष्ट्रीय प्रसार योजना नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस आत्म-ध्यान धर्म यज्ञ में लाईव प्रसारण के माध्यम से 123 केन्द्रों से देश-विदेश के साधकों ने जुड़ कर लाभ प्राप्त किया।

आत्मानुशास्ता आचार्य सम्राट पूज्य डॉ. श्री शिवमुनि जी म.सा. के मंगल आशीर्वाद से शिवाचार्य आत्म-ध्यान फाउण्डेशन द्वारा आत्म ध्यान धर्म यज्ञ निरन्तर संचालित हो रहे हैं। वहीं दिनांक 21 सितम्बर से 24 सितम्बर तक एक व चार दिवसीय आत्म ध्यान धर्म यज्ञ का आयोजन हुआ। यह आयोजन भीलवाड़ा (राजस्थान), अरिहंत नगर (दिल्ली), कुप्पकलां (पंजाब) एवं नासिक (महाराष्ट्र) इन स्थानों पर आयोजित हुआ। ध्यान के आलंबन में आते-जाते श्वांस को देखने से साधक भूत, भविष्य से हटकर वर्तमान में आत्म ध्यान में प्रवेश करता है। सम्यक् दर्शन को प्राप्त कर त्याग, वैराग्य, वीतरागता के मार्ग पर अग्रसर होता है।

(पृष्ठ 1 का शेष 'शिव संदेश') रहना होता है और जीव जब 48 मिनिट अखण्ड शुक्ल ध्यान में ठहर जाता है तो केवलज्ञान व आयुश्य पूर्ण होने पर निर्वाण को प्राप्त करता है अर्थात् जीव सिद्धालय में पहुंचता है।

साधना - पंचम आरे में प्रत्येक भवी जीव को आत्मज्ञानी से आत्म ध्यान की विधि सीखकर, भेदज्ञान, कर्म सिद्धांत व अनेकान्तवाद के द्वारा अपने लक्ष्य सिद्धालय का पुरुषार्थ करना चाहिए। प्रभु फरमाते हैं लक्ष्य तय करो व पुरुषार्थ करो, निमित्त स्वयं चलकर आपके पास आएगा। हम सभी अपने जीवन का लक्ष्य बनाए। मुझे इस भव में आत्मार्थी बनकर भेदज्ञान से केवलज्ञान की ओर बढ़ना है व सर्व कर्म क्षय कर सिद्धशिला जाना है।

(पृष्ठ 1 का शेष 'अध्यक्षीय') वर्ष 2027 में श्रमण संघ की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न क्षेत्रों में अमृत महोत्सव के आयोजन किए जा रहे हैं।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के लिए यह अमृत महोत्सव वर्ष विशेष उत्तरदायित्व और गौरव का वर्ष है। हमारा प्रयास है कि इस ऐतिहासिक अवसर को केवल समारोहों तक सीमित न रखते हुए इसे 'धर्म प्रभावना, संघीय एकता, सेवा, संस्कार और नई पीढ़ी को श्रमण संस्कृति से जोड़ने का राष्ट्रीय अभियान' बनाया जाए। हमारा प्रयास है कि 75 वर्षों की यह उपलब्धि केवल अतीत के गौरव का स्मरण न बने, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई दिशा और संकल्प का आधार बने।

युवाचार्य पूज्य श्री महेन्द्रऋषि जी महाराज का 60वाँ जन्मोत्सव-युवा चेतना और संघीय एकता का प्रेरक अवसर : इसी पावन कालखंड में हम 'श्रमण संघीय युवाचार्य पूज्य श्री महेन्द्रऋषि जी महाराज के 60वें जन्मोत्सव' के मंगल अवसर से भी अभिभूत हैं।

पूज्य युवाचार्यश्री का व्यक्तित्व श्रमण परम्परा की साधना, सरलता, अनुशासन, दूरदर्शिता और संघीय एकता की भावना का सुंदर समन्वय है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को धर्म एवं संघ से जोड़ने की उनकी प्रेरणा हम सभी के लिए मार्गदर्शक है।

पूज्य युवाचार्यश्री निरंतर इस बात पर बल देते रहे हैं कि संगठन की वास्तविक शक्ति सबको साथ लेकर चलने में है। अगस्त 2026 के एक प्रवचन में भी उन्होंने नेतृत्व की व्याख्या करते हुए पूरे संघ की चिंता करने, सभी को साथ लेकर चलने और अपने आचरण से संगठन को ऊर्जा देने की बात कही। उनका '60वाँ जन्मोत्सव' हमारे लिए केवल अभिनंदन का अवसर न होकर उनके द्वारा प्रदत्त धर्म, संगठन और संघीय एकता के संदेश को अपने जीवन में उतारने का अवसर बने।

जैन कॉन्फ्रेंस परिवार की ओर से पूज्य युवाचार्यश्री के चरणों में अनंत-अनंत वंदन करते हुए हमारी यही मंगल भावना है कि उनका पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन श्रमण संघ और सम्पूर्ण समाज को दीर्घकाल तक प्राप्त होता रहे। उनके पुरुषार्थ एवं प्रेरणा से नई पीढ़ी धर्म, संस्कार और सेवा से जुड़े तथा श्रमण संघ की एकता और अधिक सुदृढ़ हो।

अमृत महोत्सव को बनाएं जन-जन का अभियान : अमृत महोत्सव वर्ष हमें अपने गौरवशाली अतीत को स्मरण करने के साथ भविष्य के प्रति अपने उत्तरदायित्व का भी बोध कराता है। हमारे पूर्वाचार्यों, संत और समाज के समर्पित श्रावक-श्राविकाओं ने जिस श्रमण संघ को अपनी तपस्या, त्याग और पुरुषार्थ से सींचा है, उसे नई पीढ़ी तक सुदृढ़ रूप में पहुँचाना हम सबका दायित्व है।

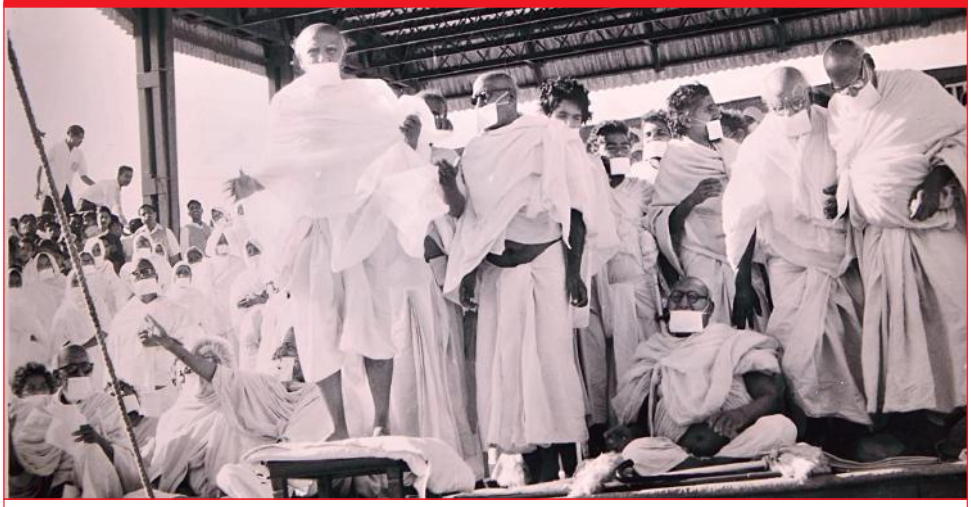
आज आवश्यकता है कि समाज का प्रत्येक परिवार इस महोत्सव का सहभागी बने। हमारे बच्चे और युवा जानें कि श्रमण संघ की स्थापना के पीछे कितनी साधना, त्याग और एकता की भावना रही है। वे भगवान महावीर के अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह के सिद्धांतों को केवल धार्मिक पाठ के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की समस्याओं के समाधान के रूप में समझें।

विशेष रूप से मैं देशभर में जैन कॉन्फ्रेंस की प्रांतीय, जिला एवं स्थानीय इकाइयों, राष्ट्रीय युवा शाखा, राष्ट्रीय महिला शाखा तथा सभी समर्पित कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों को अधिकाधिक समाजोपयोगी बनाया जाए। धार्मिक आयोजनों के साथ 'जीवदया, पर्यावरण संरक्षण, व्यसनमुक्ति, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा संस्कार और मानव सेवा' को भी प्राथमिकता मिले।


J. P. Jain Foundation
(स्व. श्री जय प्रकाश जैन की पुण्य स्मृति में स्थापित)
सेवा, करुणा और अहिंसा के मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुँचाने के उद्देश्य से निम्न जनकल्याणकारी सेवा-कार्यों का सतत् संचालन
चेयरमैन अभय जैन
महामंत्री अतुल जैन
कोषाध्यक्ष अमित जैन
- जैन हेल्थकेयर सेंटर के माध्यम से निःस्वार्थ एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाएं।
- भिवानी में फूड वैन द्वारा जरूरतमंदों को नियमित भोजन वितरण।
- दर्द निवारक - महाउपयोगी नाकोडा भैरव लाल तेल का देश भर में निःशुल्क वितरण।
- निर्धन विधवाओं एवं असहाय वर्गों को राशन सहायता।
- जीव-दया के संरक्षण एवं करुणा आधारित सेवा अभियान।
- साधर्मी बंधुओं को हर प्रकार की सहायता।
MATUSHRI BHAWAN, 537/5, Doodh Wali Gali, Mehrauli, New Delhi-110030 9717524774 Email.: foundationjpjain@gmail.com

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

श्रमण संघीय पूज्य संत परंपरा के दुर्लभ चित्र श्रृंखला...



चित्र परिचय : 23 फरवरी 1964 को अजमेर (राजस्थान) में आयोजित श्रमण संघीय साधु सम्मेलन के दौरान श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनंद ऋषि जी महाराज के आचार्य पद चादर समर्पण समारोह की दुर्लभ छवि! प्रस्तुत चित्र में पूज्य प्रवर्तक श्री पन्नालाल जी महाराज, मालव केसरी श्री सौभाग्यमल जी महाराज सहित तत्कालीन स्थानकवासी जैन परंपराओं के वरिष्ठतम पूज्य साधु-साध्वी प्रस्तुत चित्र में एक साथ दिख रहे हैं! (चित्र सौजन्य - श्री गौतम चंद गूगलिया जैन, हैदराबाद, संदर्भ - शहजाद राय शोध संस्थान, बड़ौत)

भारतीय डाक टिकटों में जैन गौरव की अनुभूतियाँ श्रृंखला...

'मरुधर केसरी' मुनि श्री मिश्रीमल जी महाराज ! - खुशबू जैन





भारतीय डाक टिकटों में स्थानकवासी जैन संत-परंपरा के गौरवशाली महापुरुषों को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में महान श्रमण संघीय जैन संत, प्रखर प्रवचनकार गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी महाराज 'मरुधर केसरी' के जन्म शताब्दी वर्ष पर भारत सरकार के डाक विभाग ने 24 अगस्त 1991 को ₹1 मूल्यवर्ग का स्मारक डाक टिकट जारी किया।

गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी महाराज का जन्म 18 अगस्त 1891 को पाली राजस्थान में हुआ था। वे अपनी तपस्या, विद्वत्ता, प्रभावशाली प्रवचनों और समाज-सुधार के कार्यों के लिए विख्यात थे। जैन दर्शन के प्रचार-प्रसार तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक जागरण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। 17 जनवरी 1984 को उनका देहावसान हुआ।

यह बहुरंगी स्मारक टिकट India Security Press, Nashik द्वारा Photogravure मुद्रण तकनीक से तैयार किया गया। टिकट पर गुरुदेव का चित्र तथा मरुधर केसरी पावनधाम की छवि अंकित है। इसकी कुल छह लाख प्रतियाँ मुद्रित की गईं। प्रथम दिवस आवरण एवं विशेष रद्दीकरण भी इस स्मारक निर्गम के महत्वपूर्ण फिलाटेलिक अंग हैं।

गुरुदेव मिश्रीमल जी महाराज पर जारी यह डाक टिकट केवल संग्रहणीय धरोहर नहीं, बल्कि स्थानकवासी जैन संत-परंपरा के तप, त्याग, ज्ञान और लोकजागरण का राष्ट्रीय दस्तावेज है। भारत सरकार का यह सम्मान जैन आध्यात्मिक विरासत को राष्ट्रीय सांस्कृतिक स्मृति में प्रतिष्ठित करने वाला महत्वपूर्ण अध्याय है।

श्रमण संघीय जैन पर्व

05 अक्टूबर : युवाचार्य पू. श्री महेन्द्रऋषि जी म. - जन्म दिवस
07 अक्टूबर : उपाध्याय पू. श्री प्रवीणऋशि जी म. - जन्म दिवस
15 अक्टूबर : उपाध्याय पू. श्री मूलमुनि जी म. - जन्म जयन्ती
15 अक्टूबर : सलाहकार पू. श्री राममुनि जी म. - जन्म दिवस
16 अक्टूबर : प्रवर्तक पू. श्री रमेशमुनि जी म. - स्मृति दिवस
18 अक्टूबर : सलाहकार पू. श्री सुमतिप्रकाश जी म. - जन्म जयन्ती
19 अक्टूबर : उपाध्याय पू. श्री गौतममुनि जी म. - जन्म दिवस
21 अक्टूबर : प्रवर्तक भण्डारी पू. श्री पदमचन्द जी म. - जन्म जयन्ती
21 अक्टूबर : प्रवर्तक पू. श्री गणेशमुनि जी म. - दीक्षा दिवस
21 अक्टूबर : उपाध्याय पू. श्री रवीन्द्रमुनि जी म. - दीक्षा दिवस
21 अक्टूबर : सलाहकार पू. श्री तारकऋषि जी म. - जन्म जयन्ती
24 अक्टूबर : प्रवर्तक पू. श्री सुमनमुनि जी म. - दीक्षा दिवस
26 अक्टूबर : आचार्य श्री अमरसिंह जी म. - स्मृति दिवस

लौकिक एवं राष्ट्रीय पर्व

02 अक्टूबर : गांधी जयन्ती (विश्व अहिंसा दिवस)
11 अक्टूबर : शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ
19 अक्टूबर : दुर्गा अष्टमी
21 अक्टूबर : विजयदशमी (दशहरा)
26 अक्टूबर : शरद पूर्णिमा
29 अक्टूबर : करवा चौथ

होशियारपुर में 'पंजाब परम्परा का गौरवशाली इतिहास' ग्रंथ विमोचन का कार्यक्रम

समग्र उत्तर भारत में रचा अनुपम अनूठा स्वर्णिम इतिहास



होशियारपुर (पंजाब) : संघ प्रमुख, योगिराज पूज्य गुरुदेव श्रद्धेय श्री अरुणचन्द्र जी म. द्वारा लगभग 8-10 वर्षों के कठिन पुरुषार्थ, गहन शोध पश्चात 'पंजाब परम्परा का गौरवशाली इतिहास' ग्रंथ विमोचन का कार्यक्रम 28 सितम्बर को अतिविशाल जनमेदनी के मध्य सहआनंद सम्पन्न हुआ।

इस ग्रंथ की चर्चा, उत्सुकता न केवल श्रावक वर्ग अपितु साधु-साध्वी सहित चतुर्विध संघ मे पुस्तक देखने, पढ़ने की इच्छा निरंतर बनी रही। यह ऐतिहासिक अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन का नहीं, अपितु हमारी परम्परा, संस्कृति, विरासत और समाज के गौरवशाली इतिहास को आने वाली युवा पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण संकल्प हैं। कार्यक्रम में समग्र उत्तर भारत, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, यू.पी, राजस्थान, उतरांखण्ड, महाराष्ट्र, जम्मू आदि अनेक राज्यों के श्रद्धालुजन उपस्थिति रहें।

इस अवसर पर मुख्य रुप से जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण, जैन महासंघ दिल्ली, जैन महासंघ हरियाणा, जैन महासंघ पंजाब, गुरु सेवक परिवार सहित संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित किया। कार्यक्रम का संचालन गुरु शिष्य श्री अभिषेक मुनि जी महाराज ने किया।

अमृतसर श्री संघ ने गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र जी म. के इतिहास के अनुपम अनूठे कार्य के लिए 'इतिहास केसरी' की पदवी से अलंकृत किया। इस दौरान पूज्य आचार्य श्री अमर सिंह जी महाराज के वंशज व पारिवारिक सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। होशियारपुर की डिप्टी कमिश्नर श्रीमती आशिका हिमांशु जैन की अति विशिष्ट गरिमामय उपस्थिति रही तथा उन्होंने गुरु चरणों में विधिवत वंदन किया एवं अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री जसवंत जैन, राष्ट्रीय महिला महामंत्री श्रीमती रीचा संदीप जैन ने अपने-अपने विचार रखते हुए संघ प्रमुख श्री अरूणचन्द्र जी म. को जैन कॉन्फ्रेंस परिवार की ओर से हार्दिक बधाई प्रेषित की तथा 'पंजाब परम्परा का गौरवशाली इतिहास' ग्रंथ विमोचन की अनुमोदना प्रस्तुत की।

संघ प्रमुख गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र जी म. ने अपने मंगलमय प्रवचन के दौरान मुख्य रूप से फरमाया कि इतिहास का संरक्षण संस्कृति, युवा पीढ़ी के लिए अति आवश्यक है। इस कार्य की प्रेरणा कि गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रवास के समय गणाधीश जी, राजऋषि जी के साथ विचरण के दौरान पूज्य आचार्य श्री हस्तीमल जी म. ने पंजाब परम्परा का इतिहास लिखने को मुख्य रूप से राजऋषि जी म. को कहा। शायद यह श्रेय मुझे मिलना था तब से ही मन में भावना थी कि यह कार्य करना है। कुछ अड़चनें आई, लम्बा समय लगा, कुछ समय कार्य रुका भी रहा। इस कार्य में जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अमितराय जैन का विशेष सहयोग मिला। श्री पंकज जैन अहमदगढ़ से व गुरु सेवक परिवार की विशेष भूमिका रही। सभी के सहयोग से यह कार्य सम्पन्न हुआ। यह सब संघ शास्ता गुरुदेव, भगवन् श्री, तपोधनी त्रिवेणी, सभी गुरु भाइयों की कृपादृष्टि से ही सम्भव हो पाया और उन्हीं की झोली में समर्पित हैं। कार्यक्रम में होशियारपुर श्रीसंघ की समुचित व्यवस्थाएं प्रशंसनीय रही।

प्रेषक : मनीष जैन, निवर्तमान महामंत्री गुरु सेवक परिवार



अमृत महोत्सव वर्ष में विश्व शाकाहार दिवस : स्वास्थ्य, पर्यावरण और अहिंसा का संदेश

जम्मू : 1 अक्टूबर-विश्व शाकाहार दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारी भोजन की थाली केवल हमारी सेहत को ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रभावित करती है।

शाकाहारी भोजन को केवल धार्मिक परंपरा या आस्था तक सीमित करके नहीं देखना चाहिए। संतुलित और पौष्टिक शाकाहारी आहार स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ हमारे ग्रह के लिए भी एक जिम्मेदार विकल्प हो सकता है। पशु-आधारित खाद्य उत्पादन की तुलना में पौध-आधारित भोजन सामान्यतः भूमि, पानी और ऊर्जा पर कम दबाव डालता है तथा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। इसलिए शाकाहार को स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

इस अवसर पर हमें अपने परिवारों और समाज में "मेरा भोजन, क्रूरता-मुक्त" जैसे संदेशों के साथ शाकाहारी भोजन की आदतों को प्रोत्साहित करना चाहिए। हरे निशान वाली पैकिंग को देखकर किसी उत्पाद को स्वतः पूर्णतः शाकाहारी न मानें। कुछ उत्पादों में पशु-आधारित सामग्री हो सकती है। यह सावधानी एलोपैथिक दवाइयों और कैप्सूल के मामले में भी जरूरी है। सामग्री/संघटक और निर्माता की जानकारी जाँचना तथा आवश्यकता होने पर चिकित्सक या फार्मासिस्ट से पुष्टि करना उचित है।

शाकाहार-स्वास्थ्य के लिए, पर्यावरण के लिए और हमारे ग्रह के बेहतर भविष्य के लिए। इसी संदर्भ में जम्मू कश्मीर युवा शाखा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विपुल जी के आह्वान पर 1 अक्टूबर को रैली का आयोजन किया।

प्रेषक : संदीप जैन 'सन्नी',
राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री

(पृष्ठ 1 का शेष 'सम्पादकीय') यहीं जीवन का सबसे बड़ा सत्य सामने आता है, धन आपको पहचान दे सकता है, लेकिन मनुष्यता नहीं। पद आपके लिए दरवाजे खोल सकता है, लेकिन करुणा दिलों के दरवाजे खोलती है।

श्री पराग शाह जैन के लिए यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इसे किसी प्रचार अभियान के रूप में नहीं, बल्कि अपने आध्यात्मिक गुरु की प्रेरणा के रूप में किया। Indian Express ने इसे पर्युषण पर्व के संदर्भ में विनम्रता, तप और आत्मानुशासन से जुड़ा आध्यात्मिक प्रयोग बताया, जबकि Times of India ने इसे जीवन की वास्तविकता को निकट से समझने का प्रयास बताया। यही जैन दर्शन की शक्ति है। अपरिग्रह का अर्थ केवल संपत्ति छोड़ देना नहीं है, संपत्ति के रहते हुए भी उसके अहंकार से मुक्त रहना है।

धन कमाना गलत नहीं। संपन्न होना गलत नहीं। सत्ता और प्रतिष्ठा भी अपने आप में दोष नहीं। दोष तब शुरू होता है जब मनुष्य यह मानने लगे "मेरे पास अधिक है, इसलिए मैं दूसरों से बड़ा हूं।" जैन दर्शन इसी अहंकार पर प्रहार करता है।

गरीब की पीड़ा पर भाषण देना आसान है, गरीब की जगह बैठकर उसकी पीड़ा को महसूस करना कठिन है। किसी भिखारी को देखकर कुछ रुपये दे देना आसान है, उसके अपमान, असुरक्षा और अनिश्चितता को अपनी त्वचा पर महसूस करना कठिन है।

श्री शाह ने कम-से-कम एक दिन के लिए वही कठिन काम किया और यही इस घटना का सबसे बड़ा सामाजिक संदेश है।

यदि देश के बड़े राजनेता, उद्योगपति, प्रशासक और सामाजिक नेतृत्व से जुड़े लोग कभी-कभी अपनी सुविधाओं के सुरक्षित घेरे से बाहर निकलकर जनजीवन को प्रत्यक्ष अनुभव करें, तो उनकी दृष्टि बदल सकती है, नीतियां बदल सकती हैं और समाज के प्रति उनकी संवेदना कहीं अधिक गहरी हो सकती है।

जिस दर्द को दूर से देखा था, उसे जब स्वयं जिया तो दृष्टि बदल गई। आज दुनिया को केवल अहिंसा के उपदेश की नहीं, अहिंसा की अनुभूति की आवश्यकता है। अहिंसा केवल किसी को चोट न पहुंचाने का नाम नहीं, दूसरे के दुःख को समझना भी अहिंसा है। अपरिग्रह केवल वस्तुओं का त्याग नहीं, वस्तुओं के बीच रहते हुए भी उनके अहंकार से मुक्त रहना है।

इसलिए घाटकोपर की उन सड़कों पर उस दिन केवल एक विधायक भिखारी के वेश में नहीं निकला था! उस दिन धन का अहंकार सड़क पर उतरा था, पद का आवरण उतरा था। सामाजिक प्रतिष्ठा का मुखौटा उतरा था। और मनुष्य, मनुष्य के सामने खड़ा था। यही प्रयोग यदि समाज के मन में लंबे समय तक बना रहे, तो इसकी सार्थकता सिद्ध होगी।

यदि किसी धनवान के भीतर विनम्रता जागे, किसी राजनेता के भीतर संवेदना बढ़े, किसी परिवार में सेवा की भावना पैदा हो, किसी युवा की दृष्टि गरीब के प्रति बदल जाए और किसी जरूरतमंद को केवल दया नहीं, सम्मान मिलने लगे तो समझना चाहिए कि एक दिन का यह प्रयोग हजारों उपदेशों से अधिक प्रभावी हो गया। जैन धर्म की यही जीवंत शक्ति है, वह केवल सुनने को नहीं कहता, स्वयं जीकर देखने को कहता है। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि हमारे पास कितने करोड़ हैं। प्रश्न यह है कि उन करोड़ों के बावजूद हमारे भीतर कितना मनुष्य बचा है।

धन समाप्त हो सकता है, पद बदल सकता है, प्रतिष्ठा छिन सकती है, लेकिन यदि मनुष्यता बची रही तो सब कुछ बचा है और यदि मनुष्यता चली गई, तो करोड़ों के बीच भी मनुष्य वास्तव में भिखारी ही है।

श्रमण संघ अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत

राष्ट्रीय युवा शाखा द्वारा अहिंसा दिवस पर 75 शहरों में अहिंसा एवं व्यसनमुक्ति रैलियों का संकल्प



नई दिल्ली : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय युवा शाखा द्वारा श्रमण संघ अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत 2 अक्टूबर, विश्व अहिंसा दिवस एवं गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में 'भव्य-दिव्य अहिंसा रैली एवं व्यसनमुक्ति अभियान' का सफल आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जैन के नेतृत्व में आयोजित इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत 12 राज्यों के 75 से अधिक स्थानों पर जैन समाज के युवाओं, महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैलियों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा, करुणा, मैत्री और संयम के शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के साथ ही नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का आह्वान किया गया।

विभिन्न शहरों में आयोजित रैलियों में प्रतिभागियों ने अहिंसा एवं व्यसनमुक्ति के प्रेरक संदेशों वाली तख्तियों और नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, संस्कारित और सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

इस राष्ट्रीय अभियान ने "अहिंसा ही धर्म है, व्यसनमुक्त जीवन ही कर्म है" के संकल्प को देश के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ स्वर प्रदान किया। जैन कॉन्फ्रेंस ने अभियान को सफल बनाने वाले सभी प्रांतीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों, युवा शाखाओं, श्रीसंघों, कार्यकर्ताओं तथा सहभागी परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अमृत महोत्सव वर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अमृत महोत्सव वर्ष में संघीय एकता को नई दिशा देगा 'संघपति सम्मेलन'

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली द्वारा श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत 'संघपति सम्मेलन' आयोजित किए जाएंगे। सूरत, गुजरात में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा में प्राप्त सुझावों के अनुरूप 'एक शाखा-एक सेवा' परियोजना को व्यापक स्वरूप देते हुए संघपति सम्मेलन कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जैन एवं अमृत महोत्सव राष्ट्रीय आयोजन समिति के मुख्य संयोजक श्री जसवंत जैन ने प्रांतीय अध्यक्षों को आयोजन की कार्ययोजना प्रेषित की है। सम्मेलन प्रांतीय अध्यक्षों के संयोजकत्व में आयोजित होंगे तथा आयोजन समितियों में युवा एवं महिला पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य देशभर के श्रीसंघों से आत्मीय संवाद स्थापित करना और श्रमण संघ एवं जैन कॉन्फ्रेंस को संगठनात्मक रूप से सुदृढ़ बनाना है।

निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सात दिनों के भीतर आयोजन समितियों का गठन, दस दिनों में आधिकारिक लेटरहेड तैयार करना तथा पंद्रह दिनों के भीतर पूज्य साधु-साध्वी भगवंतों से आशीर्वाद एवं प्रेरणा प्राप्त करना प्रस्तावित है। जैन कॉन्फ्रेंस के आधिकारिक वेब पोर्टल पर पंद्रहवें दिन से संघों का ऑनलाइन पंजीकरण आरंभ होगा, जो आगामी तीस दिनों तक खुला रहेगा।

प्रांतीय अध्यक्ष बीस दिनों के भीतर सम्मेलन का स्थान एवं तिथि निर्धारित कर केंद्रीय कार्यालय से समन्वय करेंगे। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तीस दिनों के भीतर मुख्य एजेंडा एवं रूपरेखा प्रसारित की जाएगी। यह पहल समाज एवं श्रीसंघों को एक सूत्र में जोड़कर सेवा, सहयोग और सामूहिक संगठन शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

– जैन प्रकाश सम्पादकीय टीम



श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

चांदनी चौक दिल्ली में योगिराज गुरुदेव श्री रामजीलाल जी म. का 60वां पुण्य स्मृति दिवस संपन्न!





दिल्ली : 27 सितंबर 2026 श्री एस.एस. जैन महावीर भवन बारहदरी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रमण धर्म मुकुट योगिराज पूज्य गुरुदेव श्री रामजी लाल जी महाराज का 60वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ओजस्वी वक्ता श्री रमेश मुनि जी महाराज एवं श्री अमित मुनि जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.डी. जैन, राष्ट्रीय पर्यवेक्षक श्री सुभाष ओसवाल जैन, ज्ञान प्रकाश योजना के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री सुरेश कुमार जैन, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जैन, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन, महामंत्री श्री ललित ओसवाल जैन, का. महामंत्री श्री संदीप जैन 'सोनू', श्री सुभाष जैन पारख, सहित अनेक पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने पूज्य गुरुदेव श्री रामजी लाल जी महाराज के चरणों में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन, तप, त्याग एवं धर्म साधना का गुणगान किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रधान श्री विनय जैन नाहटा, महामंत्री श्री भूषण सुराणा, श्री निर्मल भंसाली सहित ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने उपस्थित अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रेषक : ललित ओसवाल जैन

त्रीनगर में भव्य कलशारोहण एवं णमो जिणाणं जिय भयाणं का जाप सम्पन्न





दिल्ली : 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा, त्रीनगर के तत्त्वावधान में 'भव्य कलशारोहण समारोह' अत्यंत श्रद्धा, और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस पावन महोत्सव में उपप्रवर्तक, परम सेवाभावी गुरुदेव श्री प्रेमसुख जी महाराज के सुशिष्य राष्ट्रसंत, प्रज्ञा महर्षि, पंडित रत्न गुरुदेव शास्त्री श्री उपेन्द्र मुनि जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मधुर वक्ता श्री इन्द्रेश मुनि जी म., युवावक्ता श्री सहदेव मुनि जी म. आदि ठाणा तथा परम विदुषी महासाध्वी श्री रानी जी म. की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनकी ज्ञानमयी एवं ओजस्वी वाणी से समस्त साधर्मिक जन भावविभोर हो उठे। समारोह के दौरान 'णमो जिणाणं - जिय भयाणं' का मंगल जाप सामूहिक रूप से किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम शुभारंभ एक विशाल एवं भव्य शोभा यात्रा के साथ हुआ। समारोह में मुख्य कलशारोहण करने का सौभाग्य मुआना परिवार (त्रीनगर) के श्री प्रकाश जैन, श्रीमती प्रीति जैन, अंशिका जैन तथा कुंज जैन ने प्राप्त किया। वहीं ध्वजारोहण की पावन विधि श्री एस.एस. जैन सभा, कर्मपुरा के प्रधान श्री सुन्दरलाल जी जैन द्वारा संपन्न की गई। समारोह की अध्यक्षता श्री अमित जैन व श्री नवीन जैन ने की, जबकि स्वागताध्यक्ष का दायित्व सफीदों परिवार के श्री सुदर्शन जैन ने निभाया।

प्रेषक : अमित जैन

आचार्य प्रवर पूज्य श्री जयमल जी महाराज की 319वीं जन्म जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई



नई दिल्ली : श्री एस.एस. जैन सभा, कोल्हापुर रोड, कमला नगर, दिल्ली के तत्वावधान में भीष्म प्रतिज्ञाधारी, बड़ी साधु वंदना के रचयिता आचार्य प्रवर पूज्य श्री जयमल जी महाराज साहब की 319वीं जन्म जयंती बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई।

छत्तीसगढ़ प्रवर्तक महाश्रमण पूज्य गुरुदेव श्री रतन मुनि जी महाराज के सुशिष्य उपप्रवर्तक डॉ. श्री सतीश मुनि जी महाराज की मंगल पावन प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में संघसेतु उपाध्याय प्रवर श्री रविंद्र मुनि जी महाराज, उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी महाराज, ओजस्वी वक्ता श्री रमेश मुनि जी महाराज, प्रज्ञा महर्षि पूज्य श्री उपेंद्र मुनि जी महाराज, मधुर वक्ता श्री रितेश मुनि जी महाराज, दिव्य साधिका महासाध्वी डॉ. श्री रश्मि जी महाराज, आगम ज्ञानार्थी महासाध्वी डॉ. शैली जी महाराज सहित अनेक संत-साध्वियों ने अपना मंगल सान्निध्य प्रदान किया।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक श्री सुभाष ओसवाल जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विपिन आनंद प्रकाश जैन, ज्ञान प्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेश आनंद प्रकाश जैन, दिल्ली जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन, कार्याध्यक्ष श्री राजेश जैन, महामंत्री श्री ललित ओसवाल जैन, कार्यकारी महामंत्री श्री संदीप जैन 'सोनू', कॉन्फ्रेंस के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जैन तातेड, श्री अशोक जैन 'जयचंदा', श्री विनय नहाटा, श्री नवीन आनंद प्रकाश जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्यजनों ने आचार्य एवं गुरु भगवंतों के चरणों में भावविभोर होकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके द्वारा दिखाए गए सत्य, संयम, अहिंसा एवं धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

प्रेषक : मनोज जैन

सोलह दिवसीय उपवास की भव्य अनुमोदना एवं सम्मान

अहिंसा विहार : रोहिणी जैन स्थानक में जैन कोकिला युवा तपस्विनी महासाध्वी श्री सुषमा जी महाराज के पावन सान्निध्य में जैन सभा अहिंसा विहार के प्रधान एवं दिल्ली जैन कॉन्फ्रेंस की वैयावच्च समिति के अध्यक्ष श्री सुभाष पारख जैन की पुत्रवधू श्रीमती प्रीतिका जैन, धर्मपत्नी श्री श्रेयांस जैन के सोलह दिवसीय उपवास की भव्य अनुमोदना की गई तथा दिल्ली प्रदेश जैन कॉन्फ्रेंस द्वारा उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती संतोष जैन जैन कॉन्फ्रेंस दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन, जैन सभा अहिंसा विहार के महामंत्री श्री अमित जैन 'बंकू' सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने तपस्विनी श्रीमती प्रीतिका जैन के इस कठिन तप की अनुमोदना करते हुए उनके उज्ज्वल आध्यात्मिक जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

प्रेषक : अमित जैन

महिला जगत

बेटी का सम्मान, भारत का अभिमान अभियान के अंतर्गत प्रेरक कार्यक्रम



नई दिल्ली : राष्ट्रीय महिला शाखा द्वारा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती संतोष जैन के नेतृत्व में 28 सितंबर 2026 को शालीमार बाग स्थित दो नगर निगम प्रतिभा विद्यालयों में "बेटी का सम्मान, भारत का अभिमान" अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ" विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत की तथा पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने शिक्षा, संस्कार, शाकाहार, खेल, आत्मरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति बच्चों को जागरूक किया। श्रीमती संतोष जैन ने अभियान का दायित्व महिला शाखा को सौंपने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जैन का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जैन सहित दिल्ली प्रांतीय महिला अध्यक्षा श्रीमती सीमा जैन, दिल्ली प्रांतीय महिला महामंत्री श्रीमती कनिका जैन, प्रांतीय महिला कोषाध्यक्षा श्रीमती उर्मिल जैन, श्रीमतीत अनिता जैन, श्रीमती नीलम जैन, श्रीमती पारू जैन आदि प्रांतीय महिला पदाधिकारी उपस्थित रही। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सभी बच्चों को जलपान वितरित किया गया। दोनों विद्यालयों की प्रधानाचार्याओं को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। श्रीमती नीलम जैन ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

प्रेषक : संतोष जैन



प्रेस्टीज

प्रतिबद्ध है भारत को समृद्ध एवं प्रबुद्ध बनाने के लिये अपने सर्वश्रेष्ठ सोया प्रोटीन सोया तेल, वनस्पति, सोया बड़ी गेहूँ का आटा मैदा, रवा, सूजी और उत्कृष्ट शिक्षा K.G. से Ph.D. के द्वारा भारत को जरूरत है स्वर्ण पदकों की ओलम्पिक और नोबल पुरस्कार विजेताओं की स्वस्थ व प्रबुद्ध भारत के लिये प्रेस्टीज सोया खाद्य और समग्र शिक्षा

बेहतर भोजन - बेहतर शिक्षा - बेहतर राष्ट्र

प्रेस्टीज फूड्स लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (अंडर ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज फीड मिल्स लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (पोस्ट ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज सोया इंडस्ट्रीज	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर
प्रेस्टीज फ्रोटेक लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, देवास
प्रेस्टीज फीड मिल्स	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, इंदौर
प्रेस्टीज फैब्रिकेटर्स प्रा. लिमिटेड	प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल, इंदौर

प्रेस्टीज ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज एंड इंस्टीट्यूट्स

स्टार एक्सपोर्ट हाउस (भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) आई.एस.ओ. : 9000 2001 प्रमाणिक ग्रुप

30, Jaora Compound, M.Y.H. Road, Indore - 452001, M.P.

Phone.: 0731-4011111, 4041111 Fax: 4011107, 2704455 E-mail: info@prestigeindia.com Website: prestigeindia.com

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

अमृत महोत्सव वर्ष में उत्तर भारत को विशेष सौगात

श्रमण संघीय युवाचार्य पूज्य श्री महेन्द्रऋषि जी महाराज का वर्ष 2027 का चातुर्मास अरिहंत नगर, दिल्ली में

नई दिल्ली : श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष के पावन अवसर पर उत्तर भारत, विशेषकर दिल्ली के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन समाज को एक अनुपम आध्यात्मिक सौगात प्राप्त हुई है। श्रमण संघीय युवाचार्य पूज्य श्री महेन्द्रऋषि जी महाराज का वर्ष 2027 का चातुर्मास अरिहंत नगर, दिल्ली में होने जा रहा है।

पूज्य युवाचार्यश्री के चातुर्मास की घोषणा से दिल्ली सहित उत्तर भारत के श्रावक-श्राविका समाज में अपार हर्ष और उत्साह का वातावरण है। यह चातुर्मास धर्म-आराधना, तप-साधना, स्वाध्याय, संस्कार जागरण तथा श्रमण संघीय एकता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली ने इस मंगल घोषणा पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष की उत्तर भारत को मिली विशेष आध्यात्मिक सौगात बताया है। - जसवंत जैन, महामंत्री-एस.एस. जैन सभा, अरिहंत नगर, दिल्ली

श्रमण संघीय प्रवर्तक पद की घोषणा

सूरत (गुजरात) : श्रमण संघीय आचार्य सम्राट् ध्यान योगी, युग प्रधान पूज्य डॉ. शिवमुनि जी म.सा. ने श्रमण संघीय महामंत्री पूज्य श्री सौभाग्यमुनि जी म.सा. 'कुमुद' के सुशिष्य उप-प्रवर्तक पूज्य श्री कोमलमुनि जी म.सा. को 25 सितम्बर 2026 को श्रमण संघीय प्रवर्तक पद से अंलकृत किया। जैन कॉन्फ्रेंस का राष्ट्रव्यापी परिवार इसकी अनुमोदना करता है।

- जैन प्रकाश सम्पादकीय टीम

चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति - सुरों में स्वरांजलि का शिवाचार्य जन्मोत्सव निमित्त जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा तमिलनाडु द्वारा आयोजन



चेन्नई (तमिलनाडु) : जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु महिला प्रांतीय शाखा द्वारा ए.एम.के.एम. प्रांगण श्री एस. एस. जैन संघ पुरूषवाक्कम के तत्वावधान में पूज्य महासती श्री आदर्शज्योति जी म. ठाणा 3 के सान्निध्य में "चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति-सुरों में स्वरांजलि" संगीत प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चेन्नई के विभिन्न महिला मंडलों से 250 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी भक्ति एवं संगीत प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन संगीत क्षेत्र में पिछले 20-23 वर्षों से सक्रिय श्री राकेश परमार जैन एवं श्रीमती ऊषा परमार जैन द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साहवर्धन हेतु सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस के जोन - 1 समन्वयक श्री सुरेश लुनावत जैन, प्रांतीय युवा शाखा चेयरमैन श्री आनंद बालेचा जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं जैन कॉन्फ्रेंस के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रांतीय महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती संगीता बंठिया जैन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भक्ति, संगीत एवं सामूहिक सहभागिता से जोड़ना था। प्रेषक : संगीता बांठिया जैन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे जैतारण के मरुधर केसरी पावन धाम



जैतारण (राजस्थान) : राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जैतारण स्थित प्रसिद्ध मरुधर केसरी पावन धाम पहुँचे। मुख्यमंत्री के पावन धाम आगमन पर श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पावन धाम परिसर में पहुँचकर पूज्य गुरुदेव मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी महाराज तथा पूज्य गुरुदेव श्री रूपमुनि जी महाराज की समाधि के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के आगमन के दौरान पूर्व सांसद पुष्प जैन ने मुख्यमंत्री को पावन धाम के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पावन धाम की आध्यात्मिक परंपरा एवं संतों के तप, त्याग और सेवा के आदर्शों को नमन किया और कहा कि मरुधर केसरी पावन धाम जैन समाज की धार्मिक एवं आध्यात्मिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस अवसर पर पावन धाम परिसर में धार्मिक एवं सामाजिक वातावरण बना रहा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से आत्मीयता के साथ संवाद भी किया।

सेवा संकल्प बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी : कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 'सेवा संकल्प बाइक रैली' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर पावन धाम की ओर से पूर्व सांसद पुष्प जैन, महावीर भंडारी, विमल मेहता, महेंद्र भंसाली, पवनराज झामड़, अशोक बंब, अमित भंडारी, लूणकरण जैन, कमलेश बोहरा प्रदीप डागा, विनोद कोठारी, ज्ञानचंद हिरन, पदम कोठारी, अक्षय कोठारी, आदेश बंब, निर्मल आंचलिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्मृति शेष श्रद्धांजलि



सुश्रावक संदेश तेजराज पीपाड़ा जैन का संथारापूर्वक देवलोकगमन

सावलीविहीर (महाराष्ट्र) : श्रमण संघीय आचार्य भगवंत ध्यानयोगी डॉ. शिवमुनीजी के सुशिष्य सहमंत्री शुभममुनीजी म. के संसारिक छोटे भाई सावळी विहीर (शिर्डी) निवासी संथारामूर्ति सुश्रावक, स्व. संदेश तेजराजजी पिपाडा उम्र 22 को बुधवार दिनांक 23 सितंबर 2026 को सुबह आचार्य भगवंत ध्यान योगी डॉ. शिवमुनिजी के मुखारविंद से संथारा दिया गया था जिसको उन्होंने पूर्ण कर आत्मकल्याण प्राप्त किया। प्रेषक : पीपाडा परिवार



श्री ढाकाराम सुवेदी बुटवल का स्वर्गवास

नेपाल : मधुर गायक श्री पुनीत मुनि जी म. एवं स्वाध्याय रसिक श्री विराग मुनि जी म. के सांसारिक बड़े भाई श्री ढाकाराम सुवेदी जैन (बुटवल नेपाल) का 27 सितंबर 2026 को स्वर्गवास हो गया।



सुश्रावक श्रीमान् महेशचंद जैन का स्वर्गवास

शालीमार बाग : सुश्रावक ज्ञी महेशचंद जैन सुपुत्र स्व. लाला शहजाद राय जैन एवं स्व. श्रीमती केला देवी जैन बड़ौत/बिनौली वाले का 30 सितम्बर की सायं स्वर्गवास हो गया। प्रेषक : डॉ. अमितराय जैन



सुश्राविका श्रीमती प्रेमवती जैन का स्वर्गवास

बड़ौत : श्रीमती प्रेमवती जैन धर्मपत्नी सुश्रावक ला. शिखरचंद जैन, पुत्रवधू स्वर्गीय लाला शहजादराय जी एवं स्वर्गीय श्रीमती केलादेवी जैन बड़ौत निवासी ऋषभ विहार, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली में देवलोक गमन दिनांक 26 सितम्बर 2026 को हो गया। प्रेषक : डॉ. अमितराय जैन

महासाध्वी श्री रीटा जी महाराज की 59वीं जन्म स्मृति पर श्रद्धासुमन अर्पित



दिल्ली : श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन समाज रजि, पटपड़गंज, दिल्ली के तत्वावधान में सरलमना संथारा साधिका महासाध्वी श्री रीटा जी म. की 59वीं जन्म स्मृति श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। यह आयोजन संयमनिष्ठ महासाध्वी श्री निष्ठा जी महाराज एवं मधुर गायिका महासाध्वी श्री देशना जी महाराज की पावन प्रेरणा से उपप्रवर्तक, इतिहास केसरी, महाश्रमण पूज्य गुरुदेव श्री आनंद मुनि जी महाराज एवं प्रवचन भास्कर युवा प्रेरक श्री दीपेश मुनि जी महाराज के पावन सान्निध्य तथा महासाध्वी श्री शक्ति प्रभा जी महाराज की सुशिष्य श्री रक्षिता जी महाराज आदि साध्वी वृंद की पावन उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने महासाध्वी श्री रीटा जी महाराज के संयममय, तपोमय एवं धर्मनिष्ठ जीवन का स्मरण करते हुए उनके द्वारा समाज एवं धर्म के लिए किए गए कार्यों को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जैन कॉन्फ्रेंस के आजीवन सदस्यों के लिये विशेष सूचना

Scan Here

जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के समस्त आजीवन सदस्यों को सूचनार्थ निवेदन है कि आप अपना नाम, पता, फोटो, मोबाईल नंबर, ई-मेल व अन्य जानकारी दिए गए QR कोड को स्कैन करके अपडेट कर सकते हैं। - सम्पादकीय टीम



R. Mahaveer Chand Ranka
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक
सदस्य - विश्वस्त मंडल, जैन कॉन्फ्रेंस
Mob.: 9444204046 E mail : rmrjainplr@gmail.com

With Best Wishes :
R.Mahaveer Chand Ranka
Rajesh kumar-Aarti Jain Vinod kumar-Seema Jain
Dr Rohit, Mohit, Shruthi, Shubh kumar, Aditi Jain

JAIN JEWELLERY 916 HALL MARK SHOWROOM POLUR
JAIN SILKS & READYMADES POLUR
vanalaya POLUR
JAIN PETRO
OXFORD MATRIC HR. SEC SCHOOL
OXFORD COLLEGE OF ENGINEERING POLUR



M. Rajeshkumar Ranka
प्रान्तीय महामंत्री - जैन कॉन्फ्रेंस, तमिलनाडु
9994916455
E mail : rajplr246jj@gmail.com

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

PRGI : DLHIN/25/A4261
Postal Regn. No. DL(ND) 11/6078/2026-27-2028
U(C)-312/2026-28

Date of Publication : 01-10-2026
Date of Posting : 07/08-10-2026
E-mail : aissjc1906@gmail.com

भाषा : हिन्दी ✲ अंक : 29 ✲ पृष्ठ : 8
माह : अक्टूबर ✲ सप्ताह : 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर

मूल्य : ₹ 10

सह-सम्पादक : जसवंत जैन-दिल्ली, पीयूष जैन-इंदौर, गौतम दुग्गड़ जैन-चेन्नई

विश्व अहिंसा दिवस पर विशेष...

अहिंसा का संकल्प : विचार से व्यवहार तक

- जसवंत जैन, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस



मनुष्य की महानता उसके पद, प्रतिष्ठा और सामर्थ्य से अधिक उसकी संवेदनशीलता में दिखाई देती है। दूसरों की पीड़ा को समझना, प्रत्येक जीव के जीवन का सम्मान करना और अपने व्यवहार से किसी को कष्ट न पहुँचाने का प्रयास करना-यही अहिंसा की भावना है। विश्व अहिंसा दिवस हमें अपने भीतर झाँकने और यह विचार करने का अवसर देता है कि अहिंसा के प्रति हमारी श्रद्धा हमारे दैनिक आचरण में कितनी उतर पाई है।

प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर, महात्मा गांधी की जन्म जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य शिक्षा और जन-जागरण के माध्यम से अहिंसा के संदेश को व्यापक बनाना है। यह अवसर हमें शांति, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाता है।

जैन दर्शन में अहिंसा जीवन की मूल साधना है। भगवान महावीर का संदेश हमें प्रत्येक जीव के प्रति करुणा और मैत्री रखने की प्रेरणा देता है। जिस प्रकार हमें अपना जीवन प्रिय है, उसी प्रकार दूसरे प्राणियों को भी अपना जीवन प्रिय है। इस अनुभूति के साथ जीने वाला व्यक्ति अपने सुख के लिए दूसरों को पीड़ा पहुँचाने से बचता है और अपने प्रत्येक कार्य के प्रति अधिक सजग होता है।

अहिंसा का अभ्यास मन, वचन और काया-तीनों स्तरों पर आवश्यक है। मन में द्वेष पालना, वाणी से अपमान करना और व्यवहार में किसी को चोट पहुँचाना, संबंधों को दूषित करते हैं। इसलिए अहिंसा की शुरुआत अपने विचारों और भावों की पहचान से होती है। क्रोध के क्षण में ठहरना, कठोर उत्तर देने से पहले विचार करना और किसी की भूल पर उसे सुधारने का अवसर देना छोटे दिखाई देने वाले, पर अत्यंत महत्वपूर्ण अभ्यास हैं।

परिवार अहिंसा की पहली पाठशाला बन सकता है। बच्चों के प्रश्नों को धैर्यपूर्वक सुनना, बुजुर्गों की आवश्यकताओं को समझना, महिलाओं की गरिमा का सम्मान करना और मतभेदों का समाधान संवाद से करना-इनसे घर में विश्वास बढ़ता है। बच्चों को करुणा का संस्कार देने के लिए हमारा अपना व्यवहार सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वे हमें जीवों के प्रति दयालु, जरूरतमंदों के प्रति सहयोगी और असहमति के समय संयमित देखेंगे, तो यही संस्कार उनके व्यक्तित्व में विकसित होंगे।

आज वाणी का विस्तार डिजिटल माध्यमों तक हो गया है। एक असत्य सूचना, अपमानजनक टिप्पणी या बिना जाँचे भेजा गया संदेश अनेक लोगों को आहत कर सकता है। ऐसे समय में सत्य और संयम की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। किसी समाचार को साझा करने से पहले उसकी पुष्टि करना, असहमति में मर्यादित भाषा रखना और दूसरों की प्रतिष्ठा का ध्यान रखना भी अहिंसक आचरण का हिस्सा है।

अनेकांत की भावना इस साधना को गहराई देती है। प्रत्येक विषय को देखने के अनेक पक्ष हो सकते हैं। दूसरे व्यक्ति की बात सुनने और उसके अनुभव को समझने का धैर्य हमें अनावश्यक टकराव से बचाता है। अपनी बात स्पष्ट रखते हुए भी दूसरों के सम्मान की रक्षा की जा सकती है। ऐसा संवाद परिवार, संस्था और समाज में सहयोग का आधार बनता है।

अहिंसा का संबंध हमारी जीवनशैली से भी है। शाकाहार, जीवदया, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, भोजन की बर्बादी से बचना और आवश्यकताओं में संयम रखना हमें अधिक जिम्मेदार बनाते हैं। अपरिग्रह की भावना सिखाती है कि संग्रह की सीमा तय करने से दूसरों की जरूरतों के लिए भी स्थान बनता है। प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संसाधनों का संयमित उपयोग आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

व्यसनमुक्ति के प्रयासों में भी करुणा और सेवा का भाव आवश्यक है। व्यसन से जूझ रहे व्यक्ति तथा उसके परिवार को सम्मान, सही मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है। समाज को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहाँ सहायता माँगने वाला व्यक्ति उपेक्षा का अनुभव न करे। युवाओं को स्वस्थ दिनचर्या, रचनात्मक गतिविधियों, स्वाध्याय और सेवा से जोड़ना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं और सदस्यों से मेरा आग्रह है कि अहिंसा के संदेश को अपने व्यवहार और सेवाकार्यों में निरंतर स्थान दें। युवा शक्ति जनजागरण करे, महिला शक्ति परिवारों में करुणा और संयम के संस्कार सुदृढ़ करे तथा समाज के अनुभवी सदस्य अपने आचरण से मार्गदर्शन दें। स्थानीय स्तर पर जीवदया, जरूरतमंदों की सहायता, व्यसनमुक्ति जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास नियमित रूप से आगे बढ़ाए जा सकते हैं।

विश्व अहिंसा दिवस पर हम एक सरल और दृढ़ संकल्प लें-अपनी वाणी में मधुरता, विचारों में मैत्री, व्यवहार में न्याय और जीवन में संयम लाएँगे। जहाँ पीड़ा दिखाई देगी, वहाँ अपनी क्षमता के अनुसार सहायता करेंगे। जहाँ मतभेद होंगे, वहाँ धैर्यपूर्वक संवाद का मार्ग अपनाएँगे।

अहिंसा की सार्थकता हमारे प्रतिदिन के निर्णयों में है। आइए, करुणा को कर्म बनाएँ और प्रत्येक जीव के प्रति सम्मान की भावना के साथ जीवन को आगे बढ़ाएँ।

विश्व अहिंसा दिवस-अहिंसा से विश्व शांति की ओर

- विपुल जैन, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस



विश्व शांति का मार्ग हमारे अपने विचारों और व्यवहार से प्रारंभ होता है। मन में मैत्री, वाणी में मधुरता और आचरण में करुणा होगी, तभी समाज में स्थायी शांति का वातावरण बनेगा। भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन प्रत्येक जीव के अस्तित्व का सम्मान करने और उसके दुःख के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देता है।

इसी भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से श्रमण संघीय अमृत महोत्सव वर्ष में जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय युवा शाखा द्वारा 75 स्थानों पर भव्य अहिंसा रैलियों का आयोजन किया गया। साथ ही व्यसनमुक्ति अभियान को प्रमुखता से संचालित कर अहिंसक, संयमित और व्यसनमुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। इन आयोजनों के माध्यम से युवा शक्ति ने करुणा और सामाजिक जागरूकता के संकल्प को आगे बढ़ाया।

अहिंसा के लिए आत्मबल आवश्यक है। क्रोध के समय संयम रखना, मतभेद में संवाद बनाए रखना और अन्याय के विरुद्ध मर्यादापूर्वक आवाज उठाना उसके व्यावहारिक स्वरूप हैं। अनेकांत की भावना हमें दूसरों के दृष्टिकोण को समझने और सम्मान के साथ समाधान खोजने का मार्ग दिखाती है।

आज युवाओं का दायित्व है कि वे इस प्रेरणा को दैनिक जीवन में उतारें। सोशल मीडिया पर सत्य और सम्मानपूर्ण भाषा का प्रयोग, व्यसनमुक्त जीवन, जीवदया तथा जरूरतमंदों की सहायता-ये विश्व शांति की दिशा में हमारे ठोस कदम हैं। राष्ट्रीय युवा शाखा की ओर से मेरा आह्वान है कि प्रत्येक युवा अपने समय और सामर्थ्य का एक अंश नियमित सेवा के लिए समर्पित करें। रैलियों और अभियानों से जागृत चेतना को निरंतर सेवाकार्यों में बदलना हमारा अगला संकल्प हो।

आइए, अहिंसा को संकल्प से संस्कार और करुणा को विचार से कर्म बनाएँ। युवा शक्ति का प्रत्येक संवेदनशील कदम विश्व शांति की दिशा में आशा जगाएगा।

विश्व अहिंसा दिवस : शांति और सद्भाव का शाश्वत संदेश

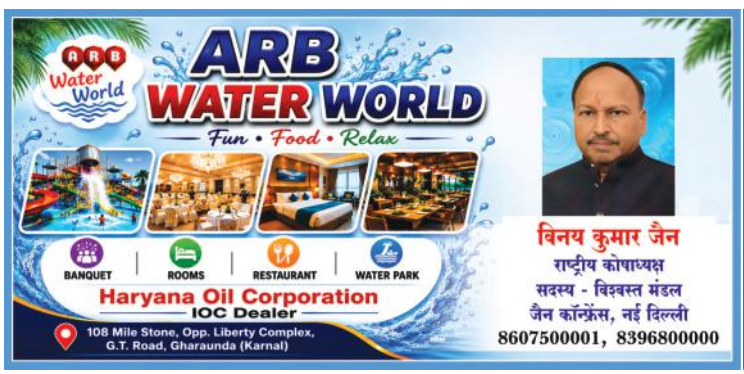
- रीचा संदीप जैन, राष्ट्रीय महिला महामंत्री, जैन कॉन्फ्रेंस



अहिंसा मानव जीवन को करुणा, संवेदनशीलता और परस्पर सम्मान से समृद्ध करती है। विश्व अहिंसा दिवस हमें स्मरण कराता है कि शांति का आधार हमारे विचारों, शब्दों और व्यवहार में है। भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन प्रत्येक जीव के प्रति मैत्री रखने और दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा के समान समझने की प्रेरणा देता है।

अहिंसा की साधना दैनिक जीवन के छोटे निर्णयों में दिखाई देती है। कठोर शब्दों के स्थान पर मधुर वाणी, क्रोध के समय धैर्य और मतभेद के बीच संवाद अपनाना संबंधों में विश्वास बढ़ाता है। क्षमा और संयम के ये संस्कार परिवार से समाज तक सद्भाव का वातावरण बनाते हैं। महिला शक्ति इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। परिवार, शिक्षा, कार्यस्थल और सामाजिक नेतृत्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी करुणा तथा सहयोग की संस्कृति को सुदृढ़ करती है। बच्चों को जीवदया सिखाना, बेटियों को सम्मान और समान अवसर देना तथा बुजुर्गों की गरिमा का ध्यान रखना अहिंसा के व्यावहारिक रूप हैं। इन मूल्यों को अपनाना परिवार और समाज के प्रत्येक सदस्य की साझा जिम्मेदारी है।

अहिंसा हमें सेवा के लिए भी प्रेरित करती है। जरूरतमंद महिलाओं की सहायता, बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग और कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे परिवारों को संबल देना करुणा को कर्म में बदलता है। जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय महिला शाखा की ओर से मेरा आह्वान है कि हम अपने घर और समाज में सम्मानपूर्ण संवाद, व्यसनमुक्त जीवन तथा नियमित सेवा को प्रोत्साहित करें। प्रत्येक परिवार कोई एक सेवाकार्य अपनाए और बच्चों को भी उससे जोड़े, ताकि संवेदनशीलता का संस्कार व्यवहार से विकसित हो। विश्व अहिंसा दिवस पर संकल्प लें कि हमारी वाणी में सद्भाव बढ़ाए, हमारा व्यवहार विश्वास जगाए और हमारे कार्य किसी के जीवन में सुख एवं आशा का कारण बनें।





सम्पादकीय अस्वीकरण : 'जैन प्रकाश' में प्रकाशित समाचार, लेख एवं विचार संबंधित लेखकों/समाचार प्रेषकों/अन्य स्रोतों के निजी विचार हैं। उनकी सत्यता एवं प्रामाणिकता के लिए वही उत्तरदायी होंगे। संपादक एवं प्रकाशक किसी भी त्रुटि, मानहानि या विवाद के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। यह प्रकाशन भारतीय प्रेस एवं पंजीकरण अधिनियम, 1867 तथा लागू भारतीय कानूनों के अंतर्गत है। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र नई दिल्ली होगा। - डॉ. अमित जैन (सम्पादक/प्रकाशक)

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (रजि.) के लिए सम्पादक एवं प्रकाशक अमित जैन द्वारा मुद्रक पारस ऑफसेट प्रा.लि., 118-F, सेक्टर 56, फेज 5, कुंडली इंडस्ट्रियल स्टेट, सोनीपत - 131 028 द्वारा मुद्रित।
केन्द्रीय कार्यालय : जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली - 110 001 से प्रकाशित ✲ सम्पर्क : 90197 31906